हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY धनतेरस

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 3 Tuesday, 29 October 2024 , मंगलवार , २९ अक्टूबर २०२४ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

अदृश्य सांप की दहशत से खाली हो गया गांव

हापुड़ में घर छोड़कर भाग रहे लोग, हफ्ते भर में 7 को डसा, 3 की मौत

हापुड़ (एजेंसी)। यूपी के हापुड़ जिले के सदरपुर गांव में लोग अदृश्य सांप से दहशत में हैं। एक हफ्ते में यहां सांप के काटने से महिला और उसके दो-बच्चों की मौत हो गई। जबकि 4 महिला-पुरुषों का इलाज चल रहा है। मेडिकल रिपोर्ट में सांप काटने की बात सामने आई है, लेकिन गांव में अब तक किसी ने सांप को नहीं देखा है। सांप की दहशत के चलते गांव में सन्नाटा पसरा है। लोग इतने डरे हैं कि करीब 30 से ज्यादा बच्चों को रिश्तेदारी में भेज दिया। वहीं, 10-12 घरों पर ताला लग चुका है।

घर आया तो पत्नी की तबीयत बिगड़ गई

रिंकू ने आगे बताया- हम दोनों बच्चों के शव घर पर ले आए। कुछ ही देर बाद पत्नी पूनम (32) की तबीयत बिगड़ने लगी। उनका जबड़ा बंद हो गया। मुंह से आवाज नहीं निकल रही थी। हम पहले उन्हें स्याना के हॉस्पिटल, फिर वहां से बुलंदशहर ले गए। 22 अक्टूबर की दोपहर करीब 12-1 बजे पूनम ने भी दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि तीनों को सांप ने काटा था। तीनों के शरीर पर सांप काटने के निशान भी मिले।

रिंकू के घर के पीछे ढूंढा जा रहा सांप

इसके बाद हम रिंकू के घर के ठीक पीछे पहुंचे। यहां कई खाली प्लॉट हैं। इनमें बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। कूड़े का ढेर लगा हुआ है। वन विभाग की टीम और एनजीओ वर्कर यहां सांप ढूंढते मिले। इसी प्लॉट के किनारे बैठी अंगूरी नाम की वृद्धा ने बताया- गांव में एक साथ तीन मौतें हो गईं। सांप काट लेता है और दिखता नहीं। ये नहीं पता कि कौन काटता है। अगर वो दिख जाए तो पता भी चले।

संक्षिप्त समाचार

धनतेरस आज

29 अक्टूबर, मंगलवार को आज धनतेरस है। इस दिन से दीपोत्सव शुरू हो जाएगा। हर तरह की खरीदारी, निवेश और नई शुरुआत के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहेंगे। खरीदारी और निवेश के लिए रहेंगे 2 मुहूर्त, तीन गुना फायदा देने वाला योग भी रहेगा इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है, मान्यता है कि इस योग में किए कामों का 3 गुना फल मिलता है। शाम को धन्वंतरि, कुबेर और लक्ष्मी पूजा होगी। यम के लिए दीपदान भी किया जाएगा। कार्तिक माह (पूर्णिमान्त) की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र-मंन्थन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

महाराष्ट्र चुनाव, बीजेपी की तीसरी लिस्ट में 25 नाम

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने सोमवार दोपहर तीसरी लिस्ट जारी की। इसमें 25 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी अब तक तीन लिस्ट जारी कर

चुकी है। इसमें कुल 146 प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है।

इसके अलावा पार्टी ने नांदेड़ लोक सभा उपचुनाव के लिए भी प्रत्याशी घोषित कर दिया है। यहां से डॉ. संतुक मारोतराव हम्बर्डे को टिकट दिया है।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 3 आतंकी ढेर

- सुबह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, 5 घंटे चले एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया।

करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी: सुरक्षाबलों ने बताया कि आतंकवादी भट्टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

वडोदरा में भारत-स्पेन के पीएम ने किया रोड शो

एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया

पीएम मोदी बोले- पॉसिबिलिटी को प्रॉस्पैरिटी में बदलने के लिए सही पार्टनरशिप जरूरी

वडोदरा के लक्ष्मी पैलेस में दोनों पीएम ने व्यापार संबंधित एमओयू पर साइन किए

वडोदरा (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज सोमवार को वडोदरा में रहे। सबसे पहले मोदी और सांचेज ने वडोदरा एयरपोर्ट से टाटा के प्लांट तक करीब पौने तीन किमी का रोड शो किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने सी-295 सैन्य विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरबस की असेंबली यूनिट का उद्घाटन किया।

इसके बाद दोनों पीएम वडोदरा के लक्ष्मी विलास पैलेस पहुंचे, जहां पीएम मोदी ने स्पेन से आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पीएम ने व्यापार संबंधी एमओयू पर साइन किए।

मोदी बोले- फैक्ट्री भारत-स्पेन संबंधों को मजबूत करेगी

मेरे मित्र पेड्रो सांचेज की ये पहली भारत यात्रा है। आज से हम भारत और स्पेन की पार्टनरशिप को नई दिशा दे रहे हैं। ये फैक्ट्री भारत-स्पेन संबंध और मेक इन इंडिया को मजबूत करेगी।

हमारी साझेदारी सदियों पुरानी है : पीएम मोदी

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ की यह पहली भारत यात्रा है। नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में आपकी अनुपस्थिति हम सभी को महसूस हुई। भारत में दिवाली के अवसर पर आपका स्वागत करने का अवसर पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं वडोदरा में आपका स्वागत करता हूं, जिसने मुझे पहली बार संसद सदस्य बनाया। बाद में मैं प्रधानमंत्री बना। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आप मेरे गृह नगर गुजरात आए हैं। इसलिए नहीं कि यह मेरा गृहनगर है, बल्कि इसलिए कि गुजरात को त्योहारों और समारोहों की भूमि माना जाता है। दिवाली प्रकाश, उत्साह, खुशी, ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक है। इस प्रकार आपकी यात्रा ने हमारे रिश्ते को एक नई ऊर्जा दी है।

हम सहयोग जारी रखने के लिए तत्पर हैं: पीएम पेड्रो

लक्ष्मी विलास पैलेस में हुई द्विपक्षीय बैठक में स्पेन के प्रधान मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि जलवायु संकट, गरीबी और असमानता के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय लीडर्स के प्रयासों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। इन मुद्दों से निपटने के लिए भारत का प्रभाव और नेतृत्व आवश्यक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी, हम अपने महान सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने वडोदरा में एयरबस असेंबली का उद्घाटन किया।

मैं आपको हाल ही में प्रधान मंत्री के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। भारत आना मेरे लिए और स्पेनिश प्रतिनिधिमंडल के लिए भी सम्मान की बात है।

मोदी यूक्रेन-रूस जंग रुकवा सकते हैं : जेलेंस्की

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस-यूक्रेन जंग खत्म कराने में बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि हम चाहते हैं कि दूसरी यूक्रेन पीस समिट नई दिल्ली में हो। मोदी चाहें तो ऐसा कर सकते हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि मोदी, आबादी और इकोनॉमी के हिसाब से एक बहुत बड़े देश के प्रधानमंत्री हैं। किसी भी संघर्ष के रोकने में भारत और मोदी का बड़ा असर हो सकता है। पीएम मोदी की तरफ से यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत कराने की संभावना पर उन्होंने कहा कि बिल्कुल, वे ऐसा कर सकते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि BRICS समिट फेल

हो गई। इसमें एकता का अभाव दिखा। समिट में ब्राजील के नेता नहीं पहुंचे। BRICS समिट में कई देशों के नेता मौजूद थे, लेकिन इसमें ज्यादातर ऐसे थे जिन पर पुतिन को भरोसा नहीं है।

प्रियंका गांधी बोलीं

शादी के बाद मदर टेरेसा सिस्टर्स में काम किया

- बच्चों को हिंदी-इंग्लिश पढ़ाती थी, बाथरूम साफ किए; दो दिन के वायनाड दौरे पर हैं

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिन के दौरे पर सोमवार को वायनाड पहुंची। उन्होंने वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए 23 अक्टूबर को नामांकन भरा था। अपने चुनाव प्रचार के पहले दिन उन्होंने वायनाड में रोड शो किया।

प्रियंका ने यहां के नीलगिरी कॉलेज में स्टूडेंट्स से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीनांगड़ी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार ये बात सभी को बता रही हूं कि शादी के बाद मैं दिल्ली में मदर टेरेसा सिस्टर्स में शामिल हुई थी। वहां छोटे

बच्चों को अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाती थी। हर मंगलवार को हम लोग बाथरूम की सफाई करते थे, फर्श साफ करते थे, खाना पकाते थे, पेंटिंग सिखाते थे और कभी-कभी घूमने जाते थे। प्रियंका ने कहा कि मैं 19 साल की थी, पिता के निधन के 6-7 महीने बाद मदर टेरेसा मां (सोनिया) से मिलने घर आईं। उस वक्त मुझे बुखार था। मदर टेरेसा मुझसे मिलीं, मेरे सिर पर अपना हाथ रखा। मेरे हाथ में अपनी माला पहनाई थी। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने रोड शो के बाद नामांकन भरा

- बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार का नॉमिनेशन, यहां भतीजे युगेंद्र चुनाव मैदान में उतरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे की कोपरी पाचपाखडी सीट से चुनाव लड़ने के लिए सोमवार सुबह नॉमिनेशन फाइल किया। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने ठाणे में रोड शो भी किया था।

डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी सोमवार सुबह बारामती से नामांकन भर दिया है। इसी सीट से अजित के भतीजे युगेंद्र पवार एनसीपी-शरद गुट से उम्मदीवार हैं। युगेंद्र ने भी सोमवार सुबह ही नामांकन भरा। इस दौरान उनके साथ शरद पवार और सुप्रिया सुले भी मौजूद रहीं।

उधर, महिम सीट से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की टिकट पर चुनाव लड़ रहे राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने भी नामांकन भर दिया है। इस दौरान उनके साथ उनके एमएनएस के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। नामांकन भरने की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर है।

शरद पवार बोले- 90 से 95 प्रतिशत सीटों पर सहमति बनी

शरद पवार ने कहा कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी राज्य की कुल 288 सीटों में से 90 से 95 प्रतिशत सीटों पर आम सहमति पर पहुंच गई है। हमारी लड़ाई उन लोगों के खिलाफ है जिन्होंने राजनीतिक दलों में फूट डाली और विचारधारा से समझौता किया।

राहुल गांधी ने सलून वाले को मदद पहुंचाई

पोस्ट में लिखा-

गरीब की मुस्कान वापस लाऊंगा, कुछ दिन पहले उसकी शॉप पर गए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली में सलून चलाने वाले अजीत को उनकी दुकान के लिए जरूरी सामान मुहैया कराया। राहुल ने अपने वॉट्सऐप चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अजीत सामान खरीदने जा रहे हैं। राहुल ने पोस्ट में लिखा, मेरा भारत के हर गरीब और मिडिल क्लास के व्यक्ति से वादा है कि उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा। वहीं, राहुल को धन्यवाद देते हुए अजीत ने कहा, मैंने नहीं सोचा था कि राहुल गांधी मुझसे मिलेंगे और मेरी मदद करेंगे।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

- कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताया, कहा- सलमान मामले से दूर रहो

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर सलमान के मामले से दूर रहो, हम कम

और कांड दोनों करते हैं। धमकी देने वाले का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में एक लाख रुपए प्रतिघंटा देकर जैमर बंद करवाकर पप्पू यादव से बात करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। दरअसल, 12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी।

संपादकीय

क्या पिघलने लगी भारत और चीन के बीच रिश्तों की बर्फ

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में वैश्विक स्तर की गम्भीर समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय हैं। प्रत्येक वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। युद्ध व आतंकवाद के कारण अशांत विश्व की दृष्टि अब वैश्विक शांति की स्थापना के लिए भारत की ओर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए संकल्पवान हैं। प्रधानमंत्री मोदी रूस -यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-अरब के बीच चल रहे तनाव को कम करने के लिए नेताओं के संपर्क में हैं। तीसरी बार पद सँभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दो बार रूस की यात्रा पर जा चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनावों के पूर्व ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत और रूस के मध्य संबंधों में कुछ खटास आ रही है लेकिन रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार व वार्ता को देखकर राजनैतिक विश्लेषक आश्चर्यचकित रह गये। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी। भारत और चीन के

शासनाध्यक्षों के मध्य यह वार्ता गलवान दुर्घटना के लम्बे अंतराल के हुयी जिससे लगा कि अब भारत और चीन के मध्य जमी बर्फ अब पिघल रही है। दोनों शासनाध्यक्षों की भेंट के बाद यह समाचार भी आ गया है कि भारत और चीन के मध्य हुए समझौते के अनुसार पूर्वी लद्दाख सेक्टर में डेमचोक और देपसांग से भारत और चीन के सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है। यह भारत की बड़ी रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक जीत है। डेमचोक में दोनों सेनाओं ने पांच -पांच टेंट हटा लिये हैं तथा यह प्रक्रिया लगातार जारी है। एक बार जब सभी टेंट और अस्थायी ढांचे पूरी तरह से हटा दिये जाऐंगे तब एक संयुक्त सत्यापन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। सत्यापन जमीन पर और हवाई सर्वेक्षण दोनों के माध्यम से किया जाएगा। प्रारम्भिक आपरेशन के अंतर्गत डेमचोक में भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं और चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं।दोनों तरफ करीब 10 से 12 अस्थायी ढांचे और करीब 12 तंबू बने हुए हैं जिन्हें हटाया जा रहा है। देपसांग इलाके में चीन ने अपने सैनिकों व वाहनों की संख्या काफी कम कर दी है और भारतीय सेना ने भी अपने सैनिक वहां से कम कर दिये हैं।

ताजा घटनाक्रम को लेकर चीन का वक्तव्य भी आ गया है कि भारत- चीन सीमा पर तनाव कम हो जाने के बाद लद्दाख में सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है । इस वक्तव्य में कहा गया हे कि दोनों पक्षों की अग्रिम पंक्ति की टुकड़ियाँ सुचारू रूप से प्रासंगिक कार्य कर रही हैं, जो लंबे समय से चली आ रही गतिरोध चर्चाओं के बाद तनाव कम करने की शुरूआत है। ज्ञातव्य है कि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही कई दौर की वार्ता होने के बाद भारत के साथ सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में सहमति बनी थी अब वही सहमति धरातल पर उतारी जा रही है। यदि यह कार्य इसी प्रकार चलता रहा तो पूर्वी लद्दाख में मई 2020 के पूर्व की स्थिति वापस आ जाएगी।

50 पैसे के लिए कोर्ट पहुंची ग्राहक, पोस्ट ऑफिस पर लगा पंद्रह हजार का जुर्माना

उपभोक्ताओं की जेब से खुदरा या खुले पैसे गायब हो रहे हैं। बाजार प्रतिदिन बड़ी सफाई से करोड़ों ग्राहकों का खुदरा खा जाता है। कोई दुकानदार बचे हुए एक रुपए लौटा दे, तो यह सुखद लगता है। मगर बहुत सारे दुकानदार ऐसा नहीं करते या इसके बदले में कोई गैरजरूरी चीज पकड़ा देते हैं। सवाल चंद सिक्के या एक-दो रुपए का नहीं है। देश में रोजाना करोड़ों रुपए का लेनदेन होता है, मगर खरीदारी के बाद अक्सर खुदरा पैसे नहीं लौटाए जाते। कई बार तो ग्राहक खुद ही एक-दो रुपए छोड़ देता है। सवाल है कि क्या हमारी अर्थव्यवस्था में इन पैसों का कोई हिसाब है! गौरतलब है कि चेन्नई के एक ग्राहक की ओर से डाकघर से सिर्फ पचास पैसे नहीं लौटाने की शिकायत जब उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के पास पहुंची तो सुनवाई के बाद भारतीय डाक विभाग को पंद्रह हजार रुपए मुआवजा देना पड़ा। दरअसल, एक डाकघर में पंजीकृत पत्र के लिए तीस रुपए का भुगतान किया गया था, लेकिन रसीद में उनतीस रुपए पचास पैसे दर्शाए गए थे। कायदे से डाकघर को वे पचास पैसे लौटा देना चाहिए था, लेकिन तकनीकी कारणों से आनलाइन भुगतान लेने में दिक्कत आदि कारण बता कर ऐसा नहीं किया गया। इस मामले को अपवाद माना जा सकता है, जिसमें एक जागरूक उपभोक्ता ने अपना हक हासिल किया। मगर यह छिपा नहीं है कि हर रोज इस तरह कितने ही लोगों को एक या दो रुपए यों ही छोड़ देने पड़ते हैं। कुछ वस्तुओं या सेवाओं की कीमत भी इस तरह रखी जाती है कि उसमें उपभोक्ता को अनचाहे एक रुपए छोड़ना पड़ता है या दुकानदार खुदरा पैसे नहीं होने का बहाना करके नहीं लौटाता। निश्चित रूप से इन पैसों का हिसाब न रखे जाने से राजस्व का भी नुकसान है। आनलाइन लेनदेन की सुविधा में इस समस्या के हल की एक उम्मीद बंधती है। आज बड़ी संख्या में लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। मगर जो लोग फिलहाल डिजिटल भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, उनकी जेब से रोज कुछ पैसे अनचाहे ही चले जाते हैं। सरकार को इस मसले का कोई व्यावहारिक हल निकालने की जरूरत है, जिसमें नाहक ही लोगों की मेहनत के कुछ पैसों का कोई मोल नहीं रहता और देश की अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होता है।

आज का कार्टून

राजनीति में कुर्बानी की कोई जगह नहीं: अखिलेश यादव

तेल की मांग में कमी और सप्लाई में बढ़ोतरी

एनर्जी ट्रांजैक्शन के बढ़ने के साथ ही आने वाले वर्षों में तेल की दुनिया की मांग में वृद्धि धीमी होने की उम्मीद है. साथ ही अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के नए तेल बाजार नजरिए के अनुसार, वैश्विक तेल उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे बाजार में तनाव कम होगा और अतिरिक्त क्षमता कोविड संकट के बाहर अप्रत्याशित स्तर तक पहुंच जाएगी. आईईए की वार्षिक मध्यम अवधि बाजार रिपोर्ट का लेटेस्ट एडिशन, ऑयल 2024, तेल आपूर्ति सुरक्षा, शोधन, व्यापार और निवेश के लिए इन गतिशीलता के दूरगामी प्रभावों की जांच करता है. रिपोर्ट में पाया गया है कि लेटेस्ट नीतियों और बाजार के रुझानों के आधार पर, एशिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ विमानन और पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्रों से मजबूत मांग आने वाले साल में तेल के उपयोग को बढ़ाने के लिए तैयार है.

पी.वी. राव

इन लाभों को इलेक्ट्रिक कार की बिक्री में वृद्धि, पारंपरिक वाहनों में ईंधन दक्षता में सुधार, मध्य पूर्व में बिजली उत्पादन के लिए तेल के उपयोग में कमी और संरचनात्मक आर्थिक बदलावों जैसे कारकों से तेजी से ऑफसेट किया जाएगा. ताजा रिपोर्ट का अनुमान है कि वैश्विक तेल की मांग, जिसमें जैव ईंधन भी शामिल है, 2023 में औसतन 102 मिलियन बैरल प्रति दिन से थोड़ा अधिक है, इस दशक के अंत तक 106 मिलियन बैरल प्रति दिन के करीब स्थिर हो जाएगी.

इसके समानांतर संयुक्त राज्य अमेरिका और अमेरिका के अन्य उत्पादकों के नेतृत्व में वैश्विक तेल उत्पादन क्षमता में वृद्धि, अब से 2030 के बीच मांग वृद्धि को पीछे छोड़ देगी. रिपोर्ट में पाया गया है कि 2030 तक कुल आपूर्ति क्षमता लगभग 114 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक बढ़ने का अनुमान है, जो अनुमानित वैश्विक मांग से 8 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक है.

इसके चलते 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के चरम के अलावा पहले कभी नहीं देखी गई अतिरिक्त क्षमता का स्तर होगा. ऐसे स्तरों पर अतिरिक्त क्षमता का तेल बाजारों के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं - जिसमें OPEC और उससे आगे की उत्पादक अर्थव्यवस्थाएं, साथ ही साथ यूएस शेल उद्योग भी शामिल हैं.

जैसे-जैसे महामारी की वापसी धीमी होती जा रही है, क्लीन एनर्जी ट्रांजैक्शन आगे बढ़ रहा है और चीन की अर्थव्यवस्था की संरचना बदल रही है, वैश्विक तेल मांग में वृद्धि धीमी हो रही है और 2030 तक अपने चरम पर पहुंचने वाली है. यह उम्मीद की जा रही है कि इस साल डिमांड प्रति दिन लगभग 1 मिलियन बैरल बढ़ जाएगी. लेटेस्ट आंकड़ों के आधार पर आईईए रिपोर्ट के अनुमान इस दशक में एक प्रमुख आपूर्ति अधिशेष को दर्शाते हैं, जो यह दर्शाता है कि तेल कंपनियां यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनकी व्यावसायिक रणनीतियां और योजनाएं होने वाले परिवर्तनों के लिए तैयार हों.

जब तक कि मजबूत नीतिगत उपाय लागू नहीं किए जाते या व्यवहार में बदलाव नहीं होता तब तक विकास में मंदी के बावजूद ग्लोबल तेल की मांग 2030 में 2023 की तुलना में 3.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक रहने का अनुमान है. यह वृद्धि एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं - विशेष रूप से भारत में परिवहन के लिए अधिक तेल उपयोग और विशेष रूप से चीन में तेजी से बढ़ते पेट्रोकेमिकल उद्योग से जेट ईंधन और फीडस्टॉक्स के अधिक उपयोग से प्रेरित है.

इसके विपरीत, एडवांस इकोनॉमीज में तेल की मांग में दशकों से चली आ रही गिरावट जारी रहने की उम्मीद है, जो 2023 में लगभग 46 मिलियन बैरल प्रतिदिन से गिरकर 2030 तक 43 मिलियन बैरल प्रतिदिन से कम हो जाएगी. महामारी के दौरान को छोड़कर, पिछली बार एडवांस अर्थव्यवस्थाओं से तेल की मांग इतनी कम 1991 में थी.

ओपेक+ के बाहर के प्रोड्यूसर इस अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए वैश्विक उत्पादन क्षमता के विस्तार का नेतृत्व कर रहे हैं, जो 2030 तक अपेक्षित वृद्धि का तीन-चौथाई हिस्सा है. अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका गैर-ओपेक+ लाभ के 2.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन के लिए जिम्मेदार है, जबकि अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा और गुयाना प्रति दिन 2.7 मिलियन बैरल का योगदान देते हैं.

रिपोर्ट के पूर्वानुमान में पाया गया है कि जैसे-जैसे इस दशक के अंत में स्वीकृत परियोजनाओं का प्रवाह कम होता जाएगा, प्रमुख गैर-ओपेक+ उत्पादकों के बीच क्षमता वृद्धि धीमी हो जाएगी और फिर रुक जाएगी. हालांकि, अगर कंपनियां पहले से ही ड्राइंग बोर्ड पर अतिरिक्त परियोजनाओं को मंजूरी देना जारी रखती हैं, तो 2030 तक गैर-ओपेक+ क्षमता के 1.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन चालू हो सकते हैं.

रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक रिफाइनिंग क्षमता 2023 और 2030 के बीच 3.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक बढ़ने की राह पर है, जो ऐतिहासिक रुझानों से काफी कम है. हालांकि, इस अवधि के दौरान रिफाइंड तेल उत्पादों की मांग को पूरा करने के लिए यह पर्याप्त होना चाहिए, क्योंकि जैव ईंधन और प्राकृतिक गैस तरल पदार्थ जैसे गैर-रिफाइंड ईंधन की आपूर्ति में एक साथ उछाल आया है. इससे आउटलुक अवधि के अंत में रिफाइनरी बंद होने की संभावना बढ़ जाती है, साथ ही 2027 के बाद एशिया में क्षमता वृद्धि में मंदी आ सकती है.

मध्य पूर्व में अस्थिरता के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं. यदि इजराइल ईरान के तेल और गैस बुनियादी ढांचे पर हमला करने की अपनी धमकियों पर अमल करता है, तो इससे कीमतों में और वृद्धि हो सकती है. ईरान, जो प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है, होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है.

वास्तविक समस्या बहुत अधिक कीमत होगी, जो हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ नीति निर्माताओं के लिए भी एक बड़ी चुनौती होगी. भारत अपनी कुल तेल आवश्यकताओं का 88 प्रतिशत आयात करता है, मुख्य रूप से रूस, इराक, सऊदी अरब, अबू धाबी और अमेरिका से. भारत अभी भी काफी हद तक तेल आधारित अर्थव्यवस्था है.

हालांकि, संघर्ष से तेल की कीमतों पर जोखिम प्रीमियम बढ़ता है, लेकिन कमजोर वैश्विक मांग अनुमान, चीन की आर्थिक सुधार को लेकर अनिश्चितता और ओपेक+ द्वारा उत्पादन में कटौती वापस लेने की संभावना प्रभाव को कम कर सकती है. इसके अतिरिक्त, लीबिया जैसे देशों में तेल उत्पादन फिर से शुरू होने से कुछ राहत मिल सकती है. हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बनी रहेंगी.

भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता केंद्रीय बैंकों को बढ़ती तेल कीमतों और मध्य पूर्व में संघर्षों से प्रभावित होकर दरों में कटौती पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकती है. इससे नीतियों को सख्त करने की दिशा में बदलाव हो सकता है, जिसका असर वैश्विक बाजारों, खासकर भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है. भारत 2024 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग 8 फीसदी का योगदान देगा, जबकि वैश्विक तेल मांग वृद्धि में 22 प्रतिशत से अधिक का योगदान देगा.

इस महीने की शुरुआत में तीन प्रमुख वैश्विक ऊर्जा पूर्वानुमानकर्ताओं में से दो, जिनकी रिपोर्ट पर व्यापारियों, उत्पादकों और निवेशकों की कड़ी नजर रहती है, ने भविष्यवाणी की थी कि भारत 2024 में वैश्विक तेल मांग का सबसे बड़ा स्तंभ होगा. कमजोर वैश्विक अर्थव्यवस्था खास तौर पर चीन की अर्थव्यवस्था और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते चलन के कारण इस साल ईंधन की खपत में उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन वैश्विक आर्थिक विकास के चालक के रूप में तेल की भूमिका कम होती दिख रही है.

एक्सपर्ट के अनुसार, भारतीय शेयर पहले से ही प्रीमियम वैल्यूएशन पर कारोबार कर रहे हैं, ऐसे में लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष वैश्विक निवेशकों को भारत से अपना ध्यान हटाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो वर्तमान में दुनिया के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शेयर बाजारों में से एक है. ऐसे परिदृश्य में निवेशक अपनी पूंजी को भारतीय इक्विटी जैसी जोखिम भरी संपत्तियों से हटाकर बॉन्ड या सोने जैसे सुरक्षित निवेशों में लगा सकते हैं.

प्रशांत किशोर के समक्ष बड़ी चुनौतियां

बिहार की अशांत राजनीति में प्रशांत किशोर ने एक कंकड़ फेंक कर इसे थोड़ा और अशांत कर दिया है। चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं। बहरहाल, ये हमले राजनीतिक रस्म भी है और अनिवार्यता भी क्योंकि सत्ता लोहे का पिंजरा (आयरन लॉ ऑफ ओलिगार्की) होता है, जिसमें बाहरियों का प्रवेश निषिद्ध माना जाता है। बाहरी मतलब, जिसके मां-बाप, चाचा, मामा आदि राजनीति में न हों। ऐसा कोई शख्स जब राजनीति के इस लौह पिंजरे में घुसने की कोशिश करता है, तब ऐसे हमले स्वाभाविक हैं। अब, प्रशांत किशोर इन हमलों को, आलोचनाओं को कैसे लेते हैं, देखने वाली बात होगी। फिलहाल, हम यहां उनके समक्ष उन चुनौतियों की संक्षेप में बात करेंगे, जिससे पार पाकर ही वह लोहे के इस पिंजरे को तोड़ सकेंगे।

शशि शेखर

जाति का जाल-बिहार या कमोबेश उत्तर भारत की राजनीति में जाति का जलवा कुछ उसी तरह का है कि आधी रोटी खाएंगे, एटम बम बनाएंगे। मतलब, जाति के लिए विकास (राज्य या खुद का) को त्यागने में यहां सैकेंड भी नहीं लगते। इस स्थिति में प्रशांत किशोर की खुद की जाति एक बहुत बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, यह ऐसी चुनौती भी नहीं है, जिसे तोड़ा न जा सके। लेकिन, वे इसे कैसे तोड़ेंगे, यह महत्वपूर्ण है। सिर्फ विकास-विकास की रट लगाने भर से कम नहीं चलने वाला, क्योंकि ऐसा कौन सा नेता है जो कहता है कि हम बिहार का 'विनाश' करना चाहते हैं। आधी आबादी की नाराजगी-शराबबंदी को लेकर प्रशांत किशोर ने खुलेआम कह दिया है कि उनकी सरकार बनी तो पहली बैठक में शराबबंदी हटाएंगे और उससे होने वाली कमाई से शिक्षा पर खर्च करेंगे। सुझाव बहुत अच्छा है। नीयत भी अच्छी लगती है। लेकिन, राजनीतिक रूप से नीतीश कुमार ने इस मुद्दे को बिहार की आधी आबादी के सैंटीमैंट से जोड़ दिया है और बहुत गहराई से जोड़ दिया है, जिसका फायदा रह-रह कर उन्हें चुनाव में मिलता भी है। वैचारिक अस्पष्टता-यह सवाल बड़ा स्टीरियोटाइप लगता है लेकिन है बहुत महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक असर वाला भी,

क्योंकि आप लाख विकास करें, एक मोड़ ऐसा आता है जहां आपको कुछ निर्णय लेने होते हैं, जिसके लिए आपके पास एक वैचारिक आधार होना चाहिए। मसलन, आरक्षण हो या पूंजी का विषय, आप किधर जाएंगे, कैसे जाएंगे। आप लैफ्ट हैं, राइट हैं, सैंटर हैं, सैंटर टू राइट हैं या सैंटर टू लैफ्ट हैं। तो, आपको यह साफ करना होगा, सीना ठोक कर बोलना होगा कि हम ये हैं। एरोगेंस-हम सी.एम. और विधायक बनाते हैं। चुनाव जितवाना हमें आता है। लोकतंत्र में एरोगेंस के लिए कोई जगह नहीं होती। कुछ दिन, कुछ साल यह एरोगेंस चल भी जाए, तो लंबी रेस के घोड़े को विनम्र होना ही चाहिए। स्वयं प्रशांत किशोर में एरोगेंस बहुत अधिक है, ऐसा मैंने कई बार महसूस किया है। संभव है कि मेरी समझ या फील्ड्सलग गलत हो लेकिन एक आम अवधारणा यही है।

टिकट वितरण-एक नजर जब टिकट वितरण पर दौड़ाता हूं, तो पाता हूं कि इनकी पार्टी में विविध किस्म के लोगों ने एंट्री ली है। आई.ए.एस.-आई.पी.एस. छोड़िए, कर्पूरी ठाकुर जी की पोती, पवन वर्मा, देवेन्द्र यादव जैसे लोग जहां एक तरफ हैं, वहीं वकील, डाक्टर, शिक्षाविद् भी हैं। लेकिन, अद्भुत रूप से इनकी पार्टी में बड़ी संख्या में बिहार के नव-धनाढ्यों ने भी एंट्री ली है।

विकास का ब्लू प्रिंट-इस मसले पर उनका कहना है कि उनकी एक बड़ी और खरी टीम इस पर काम कर रही है। पहले विकास का ब्लू प्रिंट पार्टी की स्थापना दिवस पर ही आना था लेकिन अब संभवतः अगले साल मार्च तक ही आ पाएगा। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि उनकी राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यही है, जिसे आने में, सार्वजनिक करने में और प्रचारित-प्रसारित करने में सर्वाधिक समय लग रहा है। कायदे से यह काम सबसे पहले होना चाहिए था और इसे बिहार के लोगों के दिलो-दिमाग में बिठा देना चाहिए था। इसमें देरी का अर्थ है कि लोग इसे जब तक समझेंगे, इस पर विचार करेंगे, इस पर बहसबाजी होगी, तब तक चुनाव का वक्त आ जाएगा। फिर, वह दीर्घकालिक विकास मॉडल या तात्कालिक राहत देने वाले उपाय लेकर आते हैं, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा।

सी.एम. फेस-2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का काम प्रशांत किशोर देख रहे थे। पार्टी दफ्तर में 10 गारंटी कार्यक्रम लांच होना था। मंच पर सिर्फ एक कुर्सी लगाई गई थी। मैंने जानकारी ली तो कहा गया कि यह प्रशांत किशोर का आइडिया है कि मंच पर अकेले सिर्फ केजरीवाल होंगे। रणनीतिक रूप से यह ठीक भी था, क्योंकि अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भारतीय चुनाव भी व्यक्ति केन्द्रित, फेस सैंटर्ड हो गए हैं। फिर चाहे मोदी जी हों, योगी जी हों, नीतीश कुमार हों या कोई अन्य। ऐसे में, बिहार में जन सुराज की तरफ से सी.एम. फेस कौन प्रोजैक्ट होगा, कब तक होगा, यह बड़ा सवाल है। प्रशांत किशोर यह कहकर नहीं बच सकते कि विधायक सी.एम. को चुनेंगे। यह सब बकवास की बातें हैं।

संघर्ष का अभाव-बिहार में हाल के दिनों में अपराध की वीभत्स घटनाएं घटीं। एक दलित मासूम के साथ वीभत्स और क्रूर कृत्य हुआ। हत्याओं का दौर जारी है, लेकिन प्रशांत किशोर इन जगहों पर नहीं दिखते। वह खुद कहते हैं, मैं सोशल मीडिया से दूर रहता हूं। तो, उनसे बेहतर तो पप्पू यादव हैं, जो हर किसी के सुख-दुख में शरीक होते हैं। आखिर आप तभी बिहार के लोगों के सुख-दुख में शामिल होंगे, जब आपकी पार्टी सरकार बना लेगी? ये कौन-सी शर्त है?

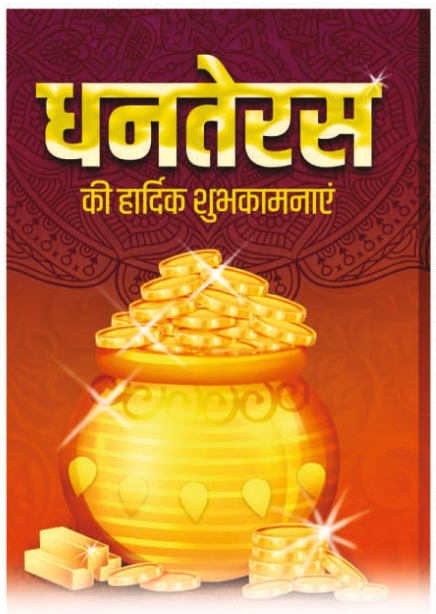

29 या 30 अक्तूबर कब है धनतेरस?

हिंदू धर्म में धनतेरस के पर्व को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा का विधान है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के दिन समुद्र मंथन के दौरान धन्वंतरि भगवान ने अमृत कलश लेकर अवतार लिया था। इस दिन सोना, चांदी व धातु को खरीदना बहुत ही शुभ होता है। इस तिथि से दिवाली पर्व की शुरुआत हो जाती है, जो अगले पांच दिनों तक चलता है।

धनतेरस शब्द का अर्थ है धन और तेरस, यानी धन का तेरह गुना होना है। ऐसे में भगवान धन्वंतरि की पूजा के साथ-साथ मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा करने से धन में वृद्धि होती है। साथ ही सफलता के योग बनते हैं। इस तिथि पर बर्तन, सोना, चांदी और पीतल खरीदने की मान्यता है। लेकिन इन सभी को मुहूर्त के अनुसार ही घर लाना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल धनतेरस कब मनाया जाएगा, और पूजा का मुहूर्त क्या है।

कब है धनतेरस 2024

इस साल कार्तिक त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 29 अक्तूबर को सुबह 10.31 मिनट पर होगी। वहीं इस तिथि का समापन 30 अक्तूबर को दोपहर 01.15 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार 29 अक्तूबर 2024 को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा।

पूजा का मुहूर्त

पंचांग के अनुसार इस साल धनतेरस पर पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 30 मिनट से रात 08.12 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप भगवान धन्वंतरि की पूजा कर सकते हैं।

क्या खरीदना होता है शुभ

- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन झाड़ू घर लाना अति शुभ होता है। - दरअसल, हिंदू धर्म में झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इस दिन झाड़ू खरीदने से घर में बरकत बनी रहती हैं। साथ ही आर्थिक परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है।
- धनतेरस के शुभ अवसर पर आप बर्तन और सोने-चांदी की खरीदारी कर सकते हैं।
- इस दौरान वाहन और जमीन-जायदाद के सौदे करना लाभकारी रहेगा।
- आप कार और बाइक भी घर ला सकते हैं। इस दौरान नए कपड़े की खरीदारी करना भी शुभ माना जाता है।

धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अमीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- **धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी** : धन तेरस के दिन साबूत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बगीचे में बो दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- **दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति** : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-
मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीतयामिति।।
- **बताशे और खीर का लगाएं भोग** : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- **हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन** : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- **तिजोरी में रखें सुपारी** : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरूण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

धनतेरस पर 100 बरस बाद त्रिग्रही योग

इस साल धनतेरस पर 100 साल बाद त्रिग्रही योग यानी त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, वैधृति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है। इन योगों का प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से लाभकारी होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ी उन्नति हो सकती है। धनतेरस नाम धन और तेरस शब्दों से आया है जहां धन का अर्थ धन और समृद्धि है और तेरस का अर्थ हिंदू कैलेंडर का 13 वां दिन है। इस दिन भगवान धन्वतरि जो स्वास्थ्य के देवता हैं उनकी पूजा की जाती है। इनकी आराधना से रोग से मुक्ति मिलती है।

हालाँकि, धनतेरस के दिन कुबेर देव और देवी लक्ष्मी की पूजा करने की भी परंपरा है। इस साल धनतेरस पर 100 साल बाद त्रिग्रही योग यानी त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, वैधृति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है। इन योगों का प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से लाभकारी होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ी उन्नति हो सकती है।

धनतेरस पर शुभ योग

धनतेरस पर इस बार 100 साल बाद दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है, धनत्रयोदशी यानी धनतेरस के दिन त्रिग्रही योग, त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, लक्ष्मी नारायण योग, शश महापुरुष राजयोग कुल 5 शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में पूजा और खरीदारी का विशेष लाभ मिलेगा।

इंद्र योग - 28 अक्टूबर 2024, सुबह 6.48 - 29 अक्टूबर 2024, सुबह 07.48 तक

त्रिपुष्कर योग - 06.31 - सुबह 10.31 (29 अक्टूबर)

लक्ष्मी-नारायण योग - धनतेरस के दिन वृश्चिक राशि में शुक्र और बुध एक साथ विराजमान रहेंगे, ऐसे में लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण होगा।

कर्क राशि - इस दिन बनने वाला योग कर्क राशि के लिए बेहद शुभ माना जाएगा। आपको अप्रत्याशित आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। परिवार के सहयोग से आपका कारोबार आगे बढ़ेगा। इस दौरान विलासिता की वस्तुएं भी घर में आती हैं।

तुला राशि - तुला राशि वाले लोग बिजनेस में बड़े सौदे कर सकते हैं, यानी भविष्य में अच्छा मुनाफा संभव है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामले सुलझ सकते हैं और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं, जिससे मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु राशि - धनु राशि वालों के लिए यह आय में भारी वृद्धि का समय होगा। नए स्रोतों से आर्थिक लाभ हो सकता है। इस अवधि में विदेश यात्रा का भी योग बन रहा है। बेरोजगारों को नौकरी के अवसर मिल सकते हैं, विशेषकर सरकारी नौकरियों के लिए यह समय अनुकूल रहेगा।

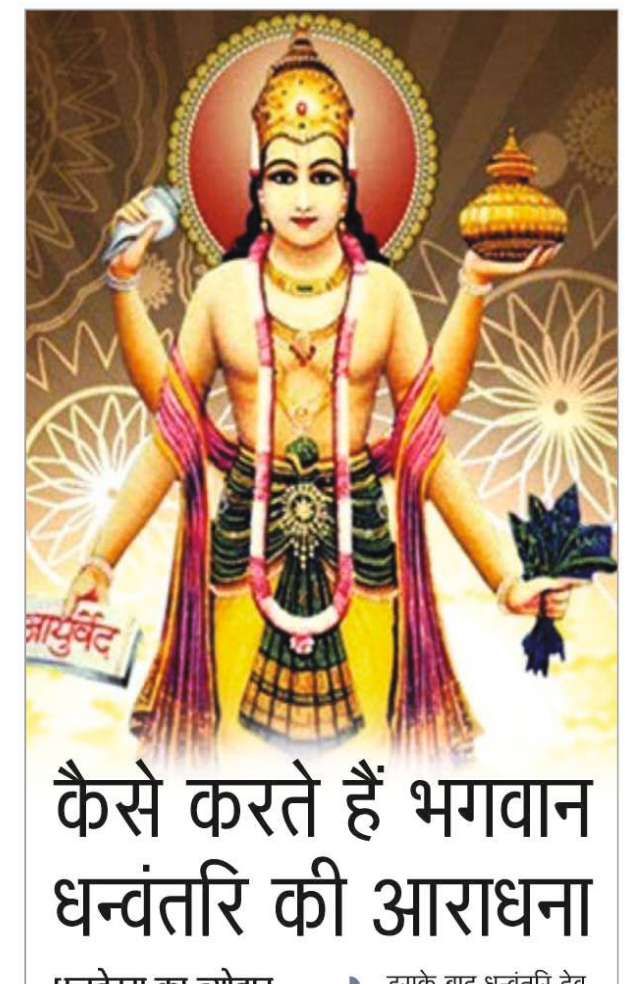

कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 29 अक्तूबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रात: उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अत: आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यत: पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पूराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौधा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते हैं।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते हैं।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते हैं।

31 अक्टूबर को रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है।

चतुर्दशी तिथि प्रारंभ:
30 अक्टूबर दोपहर 01.16 बजे से
चतुर्दशी तिथि समाप्त:
31 अक्टूबर दोपहर 03.53 बजे तक

शादी को लेकर क्या हैं राशि खन्ना के प्लान? अभिनेत्री ने खुद दी जानकारी

राशि खन्ना एक मशहूर भारतीय अभिनेत्री हैं, जो ज्यादातर साउथ की फिल्मों में नजर आती हैं। उन्होंने कई शानदार तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच एबीपी साउथ समिट के दौरान उनसे शादी को लेकर सवाल पूछा गया, जिसका अभिनेत्री ने दिलचस्प जवाब दिया है।

राशि खन्ना की गिनती तेलुगु सिनेमा की शीर्ष अभिनेत्रियों में होती है। अब वह विक्रांत मैसी के साथ अपनी आगामी फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। इस बीच उनसे इवेंट के दौरान मेजबानी कर रहे मशहूर लेखक चेतन भगत ने शादी से जुड़ी उनकी योजनाओं का पूछा। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि ये उनका निजी मामला है और वह इस पर चर्चा नहीं करना चाहतीं।

शादी करना चाहती हूं, लेकिन इसके लिए अभी समय है

इस सवाल पर जोर देते हुए जब उनसे एक बार फिर पूछा गया, तो अभिनेत्री ने काफी अच्छे तरीके से इसे टाल दिया। उन्होंने कहा, मैं शादी करना चाहती हूं और बच्चे पैदा भी करना चाहती हूं, लेकिन इसके लिए अभी समय है। यह एक बहुत ही निजी फैसला है, जिसका मेरे पेशे से कोई लेना-देना नहीं है। अभिनेत्री ने साफ कर दिया है कि अभी फिलहाल वह शादी के बजाय करियर पर ध्यान दे रही हैं।

अरनमई 4 में भी आई थीं नजर

राशि खन्ना काफी लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। इतने लंबे समय से फिल्मी दुनिया में सक्रिय रहने के बाद भी उनका नाम किसी सह-कलाकार के साथ नहीं जुड़ा। अभिनेत्री अक्सर खुद को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करती हैं। इसके अलावा वह कई मौकों पर अपनी निजी जिंदगी को सार्वजनिक न करने को लेकर भी बात कर चुकी हैं। बात करें अभिनेत्री के वर्क फ्रेंट की, तो वह द साबरमती रिपोर्ट में नजर आएंगी।

बताते चलें कि द साबरमती रिपोर्ट में, राशि ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई है, जिसने पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा कर दी है। फिल्म का निर्देशन धीरज सरना ने किया है। जी स्टूडियोज द्वारा इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में राशि खन्ना के साथ विक्रांत मैसी भी पत्रकार की भूमिका में नजर आने वाले हैं, जो गोधरा कांड के बारे में खबरें दिखाते हैं।

लापता लेडीज के ऑस्कर जीतने की प्रार्थना कर रही हैं प्रतिभा रांटा, स्टेज पर जाने के लिए हैं उत्साहित

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज ने सिनेमाघरों में भले ही बहुत शानदार प्रदर्शन नहीं किया। मगर, ओटीटी पर रिलीज होने के बाद फिल्म की तारीफों का सिलसिला थम नहीं रहा। यह फिल्म ऑस्कर में भारत की ऑफिशियल एंट्री के तौर पर भेजी गई। फिल्म के मुख्य किरदारों का जीवन कैसे इन कुप्रथाओं के कारण मुश्किल में पड़ जाता है, इसी विषय के ईद-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। अब हाल ही में, फिल्म में जया की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने फिल्म के ऑस्कर जीतने की अपनी इच्छा जाहिर की है।हाल ही में, एक साक्षात्कार में प्रतिभा रांटा ने बताया कि वह घर पर दिवाली कैसे मनाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए दिवाली हमेशा से ही एक आध्यात्मिक अनुभव रहा है, क्योंकि मेरे दादा-दादी आध्यात्मिकता का अभ्यास करते हैं और उन्होंने मुझे चार साल की उम्र में पटाखे न जलाने के बारे में सिखाया गया था। उस दिन से, मैंने तय कर लिया कि अब से मेरी दिवाली उपहारों का आदान-प्रदान करने, सजने-संवरने और शायद अपने दोस्त के घर जाने पूजा करने के बारे में ही रहेगी।

ऑस्कर जीतने की इच्छा की जाहिर

फिल्म के ऑस्कर जीतने की इच्छा जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने कहा,इस दिवाली, मैं ऑस्कर के लिए थोड़ी ज्यादा प्रार्थना कर रही हूं। पर वो प्रार्थना तो मेरी रोज भी चलती रहती है। हर रात सोने से पहले, मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। और अब मैंने एक और चीज मांगना शुरू कर दिया है।

स्टेज पर जाने का अनुभव करना चाहती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब यह खबर आई तो वह मीटिंग में थीं, और उन्हें बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। प्रतिभा ने कहा, एक पल के लिए, मैं सोच में पड़ गई, क्या हुआ है? मुझे सच में इसे समझने में थोड़ा समय लगा। मैं अब उस दिन का इंतजार कर रही हूं जब हम वहां जाएंगे, और हम उस जगह खड़े होंगे। मैं उस पल का अनुभव करना चाहती हूं और हर बार जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

कृति सेनन ने हमेशा अच्छे दिखने के दबाव पर जाहिर की राय

कृति सेनन ने कहा है कि वो बोटोक्स और कॉस्मेटिक सर्जरी कराने वालों को लेकर कोई राय नहीं बनातीं। हालांकि, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वो नहीं चाहती कि युवा लड़कियां हमेशा परफेक्ट दिखने का दबाव महसूस करें। कृति सेनन की नवीनतम फिल्म दो पत्ती आज नेटफिलक्स पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का अभिनेत्री बीते कुछ समय से जोर-शोर से प्रमोशन कर रही थीं। इस बीच अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान बोटोक्स, कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर बात की है। इस दौरान उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में होने के कारण अच्छा दिखने के दबाव को लेकर भी बात की है। अभिनेत्री ने कहा कि वह कॉस्मेटिक बदलाव करवाने वाले लोगों को लेकर कोई राय नहीं बनातीं। हालांकि, वह नहीं चाहती हैं कि युवा लड़कियां हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव महसूस करें। फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, कृति सेनन ने कहा, मैं इसे लेकर बिल्कुल भी कोई राय नहीं बनाती। हर किसी का अपना-अपना तरीका होता है। अगर आप अपने किसी अंग को बदलकर ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो यह आप पर निर्भर करता है। ये फिर पूरी तरह से आपका फैसला है। आपको उस फैसले के साथ, जो भी होता है उसका सामना करना होगा। यह आपकी ज़िंदगी है, आपका शरीर है, आपका चेहरा है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं इसके बारे में जजमेंट महसूस नहीं करती, लेकिन हां, मैं समझती हूं कि मैं नहीं चाहती कि युवा लड़कियां हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव महसूस करें। दो पत्ती अभिनेत्री ने कहा कि वह खूबसूरती से उम्र बढ़ाना चाहती हैं और अपना ख्याल रखना चाहती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वो फिल्टर जोन से दूर रहना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम मानसिक रूप से अपने साथ जो कुछ भी कर रहे हैं, उसका असर आपके चेहरे पर भी दिखता है। इसलिए, आपको अपने हर तरह से स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए। मैं हमेशा ऐसी तस्वीरें नहीं डालना चाहती, जिनमें मैं बिल्कुल परफेक्ट दिखूं। मैं जानबूझकर फिल्टर जोन से दूर जाना चाहती हूं। बात करें कृति की हालिया रिलीज फिल्म दो पत्ती की, तो इस फिल्म में काजोल, कृति सनोन और शहीर शेख मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म कृति की प्रोडक्शन कंपनी की पहली फिल्म है। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति दोहरी भूमिका में हैं, जबकि काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो एक हत्या के प्रयास के मामले को सुलझाने के लिए निकलती है।

सिंघम अगेन से भूल भुलैया 3 के क्लैश पर माधुरी दीक्षित की दो टूक

भूल भुलैया 3 की रिलीज की उल्टी गिनती जारी है। इस फिल्म का टकराव अजय देवगन अभिनीत फिल्म सिंघम अगेन से हैं। दोनों फिल्मों की रिलीज की तारीख 1 नवंबर तय की गई है। वहीं, अब मंजुलिका उर्फ माधुरी दीक्षित ने अजय देवगन की फिल्म के साथ टकराव पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। माधुरी ने कहा कि यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कौन सी फिल्म सफल होगी या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि हमने एक अच्छी फिल्म बनाई है। भूल भुलैया 3 पर बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, हम सभी ने बहुत कड़ी मेहनत की है। हमने एक बहुत ही मनोरंजक फिल्म बनाने की कोशिश की है, और अभी मेरी उम्मीद बस यही है कि दर्शकों को यह पसंद आएगी। सिंघम अगेन से क्लैश पर चुप्पी तोड़ते हुए अभिनेत्री ने कहा, मूल रूप से यह दर्शकों पर निर्भर है। उन्हें यह तय करना होगा कि उन्हें कौन सा पसंद है और वे किसे देखना चाहेंगे। माधुरी यहीं नहीं रुकीं और अपनी बात में आगे जोड़ा, अंतिम परीक्षा थिएटर में है क्योंकि वहीं सबकुछ होगा जो होता है। इसलिए हम केवल बेहतरीन की आशा कर सकते हैं, और हम केवल यह कह सकते हैं कि हमारे पास एक अच्छी फिल्म है, कृपया आएं और देखें। माधुरी ने अतीत के एक ऐसे ही परिदृश्य को याद किया जब दो फिल्में दिल और बेटा एक ही समय पर रिलीज हुई थीं। उनमें भी भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन की तरह एक बड़ी स्टार कास्ट थी।

मैं मॉल में जानबूझकर जाता था ताकि लोग पहचान सकें

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म इसी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इसमें कार्तिक के अलावा तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नजर आएंगी। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि वह काम करके थक गए हैं। कार्तिक ने कहा कि वह एक ऐसी दौड़ में हैं, जिसकी कोई फिनिश लाइन नहीं है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात की है, कि कैसे वह काम के लिए काफी फोकस्ड हैं और वह इससे थोड़े थक चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए , कार्तिक ने बताया कि कैसे वह कभी पीछे मुड़कर नहीं देख पाते क्योंकि उनका मानना है कि वह ऐसी दौड़ में हैं, जिसका कोई अंत नहीं है।

इस फिल्म ने अभिनेता को किया री-लॉन्च

कार्तिक ने कहा कि जब उनके पास काम नहीं था, तो वह केवल अपनी पहली फिल्म पाने के बारे में सोचते थे, लेकिन उस पल का आनंद नहीं ले पाए। उन्होंने 2011 में आई अपनी फिल्म प्यार का पंचनामा से अपनी शुरुआत की। उन्होंने कहा, मैंने बस इसे करने का फैसला किया, फिल्म रिलीज हुई, फिर दूसरी फिल्म नहीं चली और फिर सोनू के टीटू की स्वीटी ने मेरे करियर को फिर से पंख दिए, लगभग री-लॉन्च की तरह।

काम करते-करते थक गए हैं अभिनेता

अभिनेता ने आगे कहा, सफलता, असफलता, सब कुछ होता रहा। यहां तक कि आज तक, मुझे आराम करने और सोचने का मौका नहीं मिला है कि मैं इतनी दूर आ गया हूं... मुझे बैठकर पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला है, क्योंकि मैं ऐसी दौड़ में हूं, जिसकी कोई फिनिश लाइन नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें तब बहुत मजा आया जब पहली बार किसी ने उनसे सेल्फी के लिए पूछा और उन्हें पहचान लिया। उन्होंने यह भी कहा कि वह मॉल में जानबूझकर चलते थे ताकि लोग उन्हें पहचान सकें। कार्तिक ने यह भी कहा कि यह भी मेरे लिए काम है, यह बिल्कुल भी दिखावा नहीं है।

वर्कहॉलिक हैं कार्तिक आर्यन

इंटरव्यू में आगे जब कार्तिक से पूछा गया कि उन्होंने अपने पहले ब्रेक का आनंद क्यों नहीं लिया, तो अभिनेता ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं खुद को वह समय दे पा रहा हूं, क्योंकि मैं हमेशा काम के बारे में सोचता रहता हूं, आगे का रास्ता, मैंने क्या नहीं किया, क्या गलत हुआ, क्या सही है। मैं लंबे समय से उस स्थिति में हूं। मुझे लगता है कि मुझे अपने लिए भी समय चाहिए, मैं इससे थोड़ा थक गया हूं। बस लगातार काम करते रहने से। लेकिन बात यह है कि मैं काम के अलावा और कुछ नहीं जानता। मैंने कोशिश की है, लेकिन यह मेरे लिए काम नहीं करता। मैं एक वर्कहॉलिक हूं।

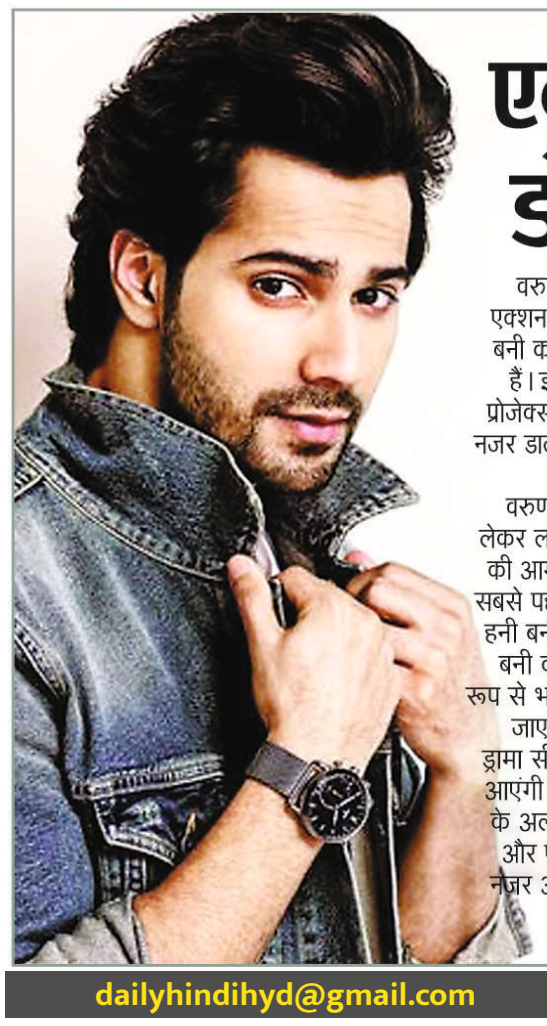

एक्शन-रोमांस और थ्रिलर का भरपूर डोज लेकर आ रहे हैं वरुण धवन

वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी एक्शन ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इसके अलावा वरुण कई आगामी प्रोजेक्स में भी नजर आएंगे। आइए एक नजर डालते हैं वरुण की आगामी सीरीज और फिल्मों को लेकर।

वरुण धवन इस साल कई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वरुण की आगामी वेब सीरीज और फिल्मों में सबसे पहले वरुण की सीरीज सिटाडेल हनी बनी रिलीज होगी। सिटाडेल- हनी बनी का प्रीमियर 7 नवंबर को विशेष रूप से भारत में प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। वरुण के साथ इस एक्शन ड्रामा सीरीज में समांथा रुथ प्रभु नजर आएंगी। सीरीज में सामंथा और वरुण के अलावा के के मेनन, सिमरन बग्गा और एम्मा कैनिंग भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह मूल रूप से सिटाडेल सीरीज का प्रीक्वल है।

बेबी जॉन

अब बात करते हैं वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की। बेबी जॉन एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो कैलीस द्वारा निर्देशित और जियो स्टूडियो, सिने1 स्टूडियो और ए फॉर एप्पल प्रोडक्शंस के तहत एटली, मुराद खेतानी और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह फिल्म एटली की तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है। इसमें वरुण के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ के साथ वरुण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बॉर्डर 2

सनी देओल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बॉर्डर का सीक्वल बन रहा है। बॉर्डर 2 में वरुण धवन होंगे इसकी आधिकारिक घोषणा भी हो चुकी है। सनी देओल ने इसकी पहली झलक दिखाई है, जिसमें वरुण धवन की आवाज सुनने को मिल रही है। वीडियो में वह कहते हैं, दुश्मन की हर गोली से जय हिंद बोलकर टकराना हूं, जब धरती मां बुलाती है, सब छोड़कर आता हूं। पोस्ट में आगे बताया गया कि फिल्म 23 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस के दौरान रिलीज होने वाली है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी एक आगामी बॉलीवुड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो शशांक खेतान द्वारा लिखित और निर्देशित और करण जौहर द्वारा निर्मित है। इसमें वरुण धवन और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी सनी (वरुण धवन) और तुलसी कुमारी (जाह्नवी कपूर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दो बिल्कुल अलग व्यक्तित्व के लोग हैं। सनी एक मस्ती करने वाला और लापरवाह लड़का है, जबकि तुलसी एक संस्कारी और गंभीर लड़की है। नियति उन्हें एक साथ लाती है, और वे प्यार में पड़ जाते हैं।

श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाएंगे विक्रांत मैसी!

हिंदी फिल्मों में जब से विक्रांत मैसी ने कदम रखा है अलग किस्म के किरदार किए हैं। वह बतौर कलाकार अपने किरदारों के साथ खूब प्रयोग करते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर किरदार को पर्दे पर जीवंत कर देते हैं। यही कारण है कि उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करती हैं। साथ ही बतौर कलाकार भी उन्हें खूब तारीफें मिलती हैं। जल्द ही वह एक अलग तरह की भूमिका करते हुए नजर आएंगे। अपनी आने वाली फिल्म में वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभाएंगे। साल 2023 में रिलीज हुई विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल को खूब सराहा गया। वहीं इसी साल रिलीज हुई विक्रांत की फिल्म सेक्टर 36 भी बहुत चर्चित रही। यह फिल्म नोएडा के निठारी कांड से प्रेरित रही। जिस तरह से विक्रांत ने इन फिल्मों में अपने किरदार निभाए हैं, उससे यह तो उम्मीद की जा सकती है कि वह श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के साथ भी पूरा न्याय करेंगे।

महिला बंदियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी ने मन मोहा

उदयपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश गुप्ता के निर्देशन में दशहरा-दीपावली मेले में महिला बंदी सुधार गृह उदयपुर की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रभारी दिव्या चौधरी की पहल पर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी के प्रति मेलार्थियों का आकर्षण बरकरार है। चौधरी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में फूलों से बनी आर्गेनिक अगरबत्तियां, मुरब्बा, अचार, मिट्टी के दीपक, रोटी कवर, बैग, पोटलिया, पाउच आदि के प्रति मेलार्थियों का विशेष आकर्षण देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उत्पाद तैयार कराने में राकेश सोमानी, राधिका सोमानी, मधु मेघवाल सहित स्टाफ का विशेष सहयोग रहा है।

रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल : संसदीय कार्य मंत्री

जोधपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पुराना परिसर में स्व. भोम सिंह खारा की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने स्व. भोम सिंह खारा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पटेल ने कहा रक्तदान महादान है और रक्तदान करने वाला व्यक्ति महादानी है। उन्होंने कहा रक्तदान शिविर के माध्यम से युवाओं ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया है कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है।

अधिकाधिक रक्तदान करें

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा रक्तदान न केवल नया जीवन देता है बल्कि सामाजिक संबंधों में मधुरता आती है। उन्होंने कहा आपका रक्त किसी की शिराओं में जिंदगी बनकर दौड़ेगा और हम सभी को अधिकाधिक रक्तदान कर लाखों लोगों के जीवन को बचा सकते है।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान खिंवराज जांगिड़, अशोक पटेल, जितेन्द्र सिंह भांडू, महेन्द्र सिंह बेरू , सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अवकाश के दिन पर्यटन स्थलों पर उमड़ी भीड़

जयपुर। अवकाश के दिन शहर के पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भीड़भाड़ देखने को मिल रही है। हवामहल स्मारक में देशी और विदेशी पर्यटकों के साथ स्कूली बच्चों के ग्रुप भी बड़ी तादाद में आ रहे हैं। ऐसे में बच्चे भी यहाँ की ऐतिहासिक धरोहरों से मुखातिब हो रहे हैं।

हवामहल स्मारक में दोपहर डेढ़ बजे तक 2250 और आमेर महल में करीब 2928 पर्यटक आ चुके हैं। वहीं जंतर मंतर स्मारक, ईसरलाट में भी पर्यटकों की उपस्थिति देखने को मिल रही है।

आमजन से जुड़े कार्यों में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : डोगरा

डोगरा विद्युत भवन में जयपुर डिस्कॉम के वरिष्ठ अभियंताओं के साथ समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों से एक-एक कर उनके दौरों का फीडबैक लिया और उन्हें गहनता से नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

जयपुर। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने फील्ड के अभियंताओं को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि आमजन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की कोताही न हो। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने मुख्यालय से लगाए गए नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि प्रभावी निगरानी के साथ ही सर्किल क्षेत्र के अपने दौरों में अनियमितता पाए जाने पर ऐसे कार्मिकों के खिलाफ रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

डोगरा विद्युत भवन में जयपुर डिस्कॉम के वरिष्ठ अभियंताओं के साथ समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों से एक-एक कर उनके दौरों का फीडबैक लिया और उन्हें गहनता से नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

अस्पतालों में अचानक मरीजों की संख्या में हो रही बढ़ोतरी

जयपुर। राजधानी जयपुर में मौसम अब रंग बदलने लगा है। दिन में जहां तेज धूप सता रही है वहीं सुबह शाम गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। ऐसे में सर्द-गर्म के माहौल के बीच आमजन को बीमारियों ने जकड़ लिया है। साथ ही इन दिनों शहर में त्योहारी माहौल में वाहनों की आवाजाही भी काफी बढ़ गई है और ऐसे में वायु प्रदूषण भी काफी बढ़ गया है।

शाम होते होते शहर में धुंध सी दिखाई देती है जो कि वास्तव में धुंध ना होकर प्रदूषण है। वायु प्रदूषण और मौसम में बदलाव के कारण अस्पतालों में अस्थमा, एलर्जी और सीओपीडी के केस 20 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। न केवल एसएमएस बल्कि गणगौरी, जयपुरिया सहित निजी अस्पतालों में भी तेजी से केस बढ़े हैं। डॉक्टर्स की मानें तो अगले दो महीनों में यह संख्या और बढ़ेगी।

इसका प्रमुख कारण प्रदूषण, मौसम में बदलाव और सावधानी नहीं रखना है। अकेले एसएमएस अस्पताल में ही अस्थमा और एलर्जी की ओपीडी इन दिनों एक हजार मरीज प्रतिदिन को पार गई है। वहीं श्वांस रोग संस्थान में भी इन दिनों ओपीडी बढ़कर 1500 तक पहुंच गई है। साथ ही इनमें से पांच से सात प्रतिशत मरीजों को अस्पतालों में भर्ती भी किया जा रहा है।

ऐसे करें बचाव

अल सुबह और सूरज ढलने के बाद पार्क में वॉक पर या घूमने ना जाए। ज्यादा जरूरी हो तो मास्क लगाकर जाएं।

विशेषकर बुजुर्ग और सांस सबंधी बीमारियों के मरीज ज्यादा सतर्क रहें।

घर से बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें या मुंह पर कपड़ा बांधें।

अस्थमा रोगी इनहेलर या दवाइयों का समय से प्रयोग करें।

इन दिनों त्योहार के दौरान साफ सफाई हो रही है ऐसे में धूल मिट्टी से बचें।

डॉक्टर्स की सलाह के मुताबिक रहकर खुद का बचाव किया जा सकता है।

बड़ों के साथ बच्चे भी चपेट मे

शहर के जेकेलोन अस्पताल में भी इन दिनों बच्चों में सांस, अस्थमा और एलर्जी के मरीजों की संख्या बढ़ी है। यहां ओपीडी में रोजाना 100 से ज्यादा बच्चे अकेले श्वास संबंधी बीमारियों के आ रहे हैं और इनमें से कई बच्चों को तो भर्ती तक करने की नौबत आ रही है। यही हाल बच्चों के अन्य निजी अस्तपालों और प्राइवेट क्लिनिक्स का भी है।

इस मौसम में बचाव ही सबसे बेहतर इलाज

इन दिनों मौसम बदलने और प्रदूषण के कारण अस्थमा, सीओपीडी और आईएलडी के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए अपना बचाव रखें, समय पर इनहेलर और दवाईयां लें। मास्क लगाकर बाहर निकलें और पहनने ओढ़ने का विशेष तौर पर ध्यान रखें। तकलीफ बढ़ने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

-डॉ. वीरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ अस्थमा एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ

उपराष्ट्रपति ने कैफे एंड ई लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में नवनिर्मित कैफे एंड ई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। दी बार एसोसिएशन जयपुर की ओर से नवनिर्मित कैफे एंड ई लाइब्रेरी के साथ लॉयर्स डायरी 2025 का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अध्यक्ष एडवोकेट पवन शर्मा और महासचिव एडवोकेट राजकुमार शर्मा को जय और वीरू की जोड़ी बताकर कहा कि इनको सब नुस्खे पता है। उन्होंने कहा कि जब मैं उपराष्ट्रपति बना सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में मुझे इन्वाइट किया गया, जहां सीजेआई भी थे । तब वहां बार एसोसिएशन से मिलना जुलना हुआ। यदि आप इंटरनेट कंजम्पशन की बात करते हैं तो डिजिटल ट्रांजेक्शन चीन और यूके में अधिक है । भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन भी इसी का उदाहरण है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी बहुत मदद कर सकता है बार को टेक्नोलॉजी के लिए सेशन करवाना चाहिए। दीपावली आप सबको शुभकामनाएं देता हूं । उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट का नहीं आम आदमी न्याय के लिए आपके पास आता है। आप पूरी ईमानदारी के साथ उन्हें न्याय दिलाएं। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य न्यायाधिपति राजस्थान हाईकोर्ट एम एम श्रीवास्तव ने कहा कि आज का कार्यक्रम कई मायनों में ऐतिहासिक है, नियुक्ति के बाद जब राजस्थान आया तब जाना कि कितना बड़ा बार है।

भरतपुर के थाना बयाना पुलिस की कार्रवाई : फायरिंग कर जानलेवा हमले के मामले में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

भरतपुर। भरतपुर जिले में थाना बयाना क्षेत्र के दमदमा गांव के एक परिवार पर एक सप्ताह पहले फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों देवेंद्र सिंह उर्फ देवा पुत्र धर्म सिंह (25) निवासी उमरैड थाना वैर एवं नेत्रपाल जाट पुत्र मुकेश सिंह (25) निवासी नगला बीजा थाना उच्चैन को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक आरोपी अजीत गुर्जर पुत्र रोशन लाल (26) निवासी तुरतीपुरा थाना गढ़ीबाजना को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि घटना के संबंध में 17 अक्टूबर को शिवहरी गुर्जर पुत्र जगदीश निवासी दमदमा ने एक रिपोर्ट थाना बयाना में दर्ज कराई कि देर रात देवेन्द्र उर्फ देवा निवासी उमरैड, नेत्रपाल जाट निवासी नगला वीजा व अजीत गुर्जर निवासी तुरतीपुरा अवैध हथियार लेकर मेरे घर आये और जान से मारने की नियत से करीब 20 फायर किये। किसी तरह मैंने व मेरे परिवार ने छिपकर अपनी जान बचाई। पड़ोसियों के जाग जाने पर आरोपी अपनी अपाची मोटरसाईकिलों से भाग गये। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान एएसआई जीतेन्द्र कुमार के द्वारा प्रारम्भ किया गया। दौराने अनुसंधान मामले मे त्वरित कार्रवाई करते हुये एसएचओ बाबू लाल मय के टीम द्वारा आरोपी देवेन्द्र सिंह उर्फ देवा व नेत्रपाल जाट को गिरफतार किया गया। आरोपी आदतन बदमाश है, इनके विरूद्ध पूर्व से अनेक प्रकरण पंजीबद्ध है।

दौसा: विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर आईटीबीपी और पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

दौसा। आगामी विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर , आईटीबीपी (इंडो-तिब्बती सीमा पुलिस) और स्थानीय पुलिस ने रविवार को शहर में फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों को भयमुक्त होकर मतदान करने के लिए प्रेरित करना था और सुरक्षा बलों की मौजूदगी से चुनावी माहौल को शांतिपूर्ण बनाना था। फ्लैग मार्च कोतवाली से शुरू होकर विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों से गुजरा।

इस दौरान मार्च ने लालसोट रोड, बरकत स्टैच्यू, गांधी चौक फलसा वाले बालाजी रोड और आगरा रोड का दौरा किया। फ्लैग मार्च में शामिल जवानों और पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र के नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

इस फ्लैग मार्च में डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा, कोतवाल हीरालाल सैनी, सदर थानाधिकारी हवा सिंह और अन्य पुलिसकर्मी तथा आईटीबीपी के जवान शामिल थे। इन अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों को निभाते हुए नागरिकों को विश्वास दिलाया कि चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी।

फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने लोगों से संवाद किया और उन्हें बताया कि मतदान उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी को बिना किसी भय के अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। इस प्रकार का कार्यक्रम चुनावी प्रक्रिया को सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फ्लैग मार्च ने चुनावी माहौल को शांतिपूर्ण बनाने और नागरिकों में आत्मविश्वास भरने का कार्य किया है। आईटीबीपी और पुलिस की इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि सुरक्षा बल चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हैं और लोकतंत्र की मजबूती के लिए सजग हैं। अब देखना यह है कि चुनावी माहौल में इस प्रकार की गतिविधियां नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने में कितनी सफल होती हैं।

सौर ऊर्जा से इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर। टाटा मोटर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (टीपीईएम), ने राजस्थान सोलर एसोसिएशन (आरएसए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और ईवी चार्जिंग के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार भी हो रहा है, जो सौर ऊर्जा के साथ मिलकर ग्राहकों को बिना किसी ईंधन लागत और शून्य उत्सर्जन के साथ ड्राइविंग की सुविधा प्रदान करता है। विशेष रूप से राजस्थान, अक्षय ऊर्जा में उच्च प्रवेश दर रखता है, जो स्थापित क्षमता के मामले में भारतीय राज्यों में दूसरे स्थान पर है और राज्य की कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 20त्न हिस्सा अक्षय ऊर्जा से आता है।

टीपीईएम और आरएसए के बीच यह साझेदारी राजस्थान में सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी दोनों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है। जिन ग्राहकों ने अपने घर या व्यवसाय में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की है, वे टाटा ईवी की खरीद पर अतिरिक्त छूट के लिए पात्र होंगे। आरएसए इस प्रक्रिया की प्रमाणन करेगा, जिससे पात्र ग्राहक राजस्थान में इस छूट का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा, एसोसिएशन पूरे राज्य में टीपीईएम के इलेक्ट्रिक वाहनों के पोर्टफोलियो के लाभों को भी प्रचारित करेगा।

बालाजे राजन, मुख्य रणनीति अधिकारी, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने कहा कि रूफटॉप सोलर ईवी मालिकों के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जिससे कम लागत वाली बिजली और शून्य उत्सर्जन वाली मोबिलिटी के दोहरे लाभ मिलते हैं। 90त्न से अधिक ईवी ग्राहक घर पर चार्जिंग करते हैं और लगभग 30त्न पहले से ही घर चार्जिंग के लिए रूफटॉप सोलर का उपयोग कर रहे हैं। ईवी अवसंरचना के हमारे विकास प्रयास में, हमने अपने ईवी खरीदते समय रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को शामिल करने वाले पैकेज पेश किए हैं। राजस्थान सोलर एसोसिएशन के सीईओ, नितिन अग्रवाल ने कहा कि यह सहयोग राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों की खपत में क्रांतिकारी कदम साबित होगा, क्योंकि यह सोलर पावर को ईवी के साथ जोड़ता है, जो पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह राजस्थान के स्थायी भविष्य की यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगा।÷

नकली करेंसी के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले की कारोई थाना पुलिस ने शनिवार की रात नाकाबंदी में मध्य प्रदेश नंबर की एक आल्टो कार में सवार नाबालिक सहित पांच जनों को पकड़ 5400 के नकली एवं 2150 रुपए के असली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने कार सवार रवि निगम पुत्र ओमप्रकाश (37) व हर्षवर्धन सिहं पुत्र गजराज सिहं (20) निवासी न्यु बापु नगर थाना प्रतापनगर भीलवाडा एवं प्रधुमन सिहं पुत्र रणजीत सिहं (19) व गौतम सिहं पुत्र विक्रम सिहं निवासी भोपुर थाना बालघाट जिला करोली को गिरफ्तार कर एक नाबालिक को निरुद्ध कर लिया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोशन पटेल व सीओ रविंद्र प्रताप सिंह के सुपरविजन में शनिवार रात एसएचओ कारोई लक्ष्मी नारायण गुर्जर मय टीम द्वारा तहसील कार्यालय के सामने नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान टीम के कांस्टेबल विक्रम व सुरेंद्र को मुखबिर से सूचना मिली कि गंगापुर की तरफ से आ रही एमपी नंबर की अल्टो कार में सवार पांच युवक नकली नोट बाजार में खपाने हाईवे से होकर भीलवाड़ा की तरफ आ रहे हैं। एसपी सिंह ने बताया कि रात करीब 11:00 बजे मुखबिर की सूचना के अनुसार एक कार आती हुई दिखाई दी, जिसे रुकने का इशारा करने पर चालक तेज गति से भागने लगा। टीम ने घेराबंदी कर बड़ी मुश्किल से गाड़ी को रोका। कार में रवि निगम, हर्षवर्धन सिहं, प्रधुमन सिहं, गौतम सिहं व एक नाबालिग सवार थे। पुलिस ने तलाशी ली तो इनके पास से तो 200-200 रुपये के 27 नकली नोट कुल रकम 5400 एवं 2150 रुपए के असली नोट मिले। इस पर उक्त रकम व कार जब्त कर चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नाबालिग को निरुद्ध किया गया।

लापरवाही: समय से पहले ही उखड़ी सड़क

भण्डेड़ा। सार्वजनिक निर्माण विभाग की मानपुरा से वाया भण्डेड़ा होते हुए गुजरियाखेडा तक की लगभग 9 किमी मुख्य डामरीकृत सड़क को बने अभी तीन वर्ष हुए है। इस सड़क में जगह-जगह से डामर उखड़ गया है। सड़क पर उखड़ी गिट्टी से राहगीर सहित वाहन चालक परेशान हो रहे है। संबंधित विभाग द्वारा समय रहते ध्यान देवें व सड़क दुरुस्तीकरण कार्य शुरू हो तो राहगीरों को भी आवाजाही में राहत मिले। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा संवेदक से वर्ष-17 सितम्बर 2021 में मानपुरा से वाया बांसी, भण्डेड़ा, सादेड़ा होते हुए गुजरियाखेड़ा तक की मुख्य सड़क का नवनिर्माण कार्य करवाया गया था। जिसमें करोड़ो रुपए खर्चकर सड़क को तैयार कर दिया गया था। जिसकी कार्य गारंटी अवधि 5 वर्ष थी। समयावधि में ही क्षतिग्रस्त हो रही नवनिर्मित सड़क लोगों को परेशानी पहुंचा रही है। आए दिन इस क्षतिग्रस्त सड़क पर दुर्घटनाएं होती रहती है। यह सड़क इस वर्ष हुई बारिश से जगह-जगह से सड़क का डामर उखड़ता जा रहा है। तो कुछ जगहों पर बरसाती पानी की एक तरफ से दूसरी तरफ पानी निकासी में रूकावट आने से यहां पर भी सड़क कटी हुई है। ऐसी जगहों पर एक फीट-दो फीट तक पूरी सड़क कटने से गहरे गड्ढे हो गए। इस हाल में यहां से गुजरने के दौरान दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होने पर गिरकर चोटिल हो रहे है। आसपास के ग्रामीणों ने पथरीला झींकरा डाल रखा है। पर राहगीर अचानक अपना संतुलन नहीं बिठा पाते है। पर संबंधित विभाग अभी तक इस मुख्य सड़क के जख्मों पर मरहम नहीं लगा रहा है। जो आवाजाही के दौरान आमजन को दर्द दे रही है। संबंधित विभाग समय रहते सुध लेकर इस क्षतिग्रस्त सड़क का उपचार करवाएं तो लोगों को भी आवाजाही में हिचकोले भरते वाहनों से राहत मिले।

– गणेश कुमार गौड़, युवा निवासी भण्डेड़ा

क्षतिग्रस्त मार्ग को लेकर युवाओं की पीड़ा

बरसात से कटी सड़क के गढ्ढों में दोपहिया वाहन गिरने से लोग चोटिल हो रहे है। हिचकोले भरते वाहन क्षतिग्रस्त जगहों पर दम तोड़ रहे है। संबंधित विभाग राहगीरों की इस समस्या को गंभीरता से लेकर जल्द सुध लेवें, तो आवाजाही में भी लोगों को राहत मिले।

संबंधित विभागीय उच्चाधिकारियों के द्वारा बरसात के बाद आकर नही देखा जाता है। निचले कर्मचारी सड़क की मरम्मत को आफत मानकर उच्चाधिकारियों को मौका स्थिति से स्पष्ट रूप से समय पर अवगत नही करवाते है। जो राहगीरों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। जिम्मेदार मानपुरा वाया भण्डेड़ा से गुजरियाखेड़ा तक बनी डामरीकृत सड़क की सुध लेकर हिचकोले भरी डगर से राहत दिलावें।

– विष्णु कुमार पंचोली, युवा निवासी भण्डेड़ा

संबंधित विभाग द्वारा संवेदक से इस सड़क को बनाए अभी तीन वर्ष हुए है। समयावधि में ही चल रही है। विभाग संबंधित संवेदक द्वारा जर्जर सड़क की मरम्मत जल्द करवाई जाए। ताकि राहगीरों का दुर्घटना से बचाव हो सके।

– अवि कुमार जैन, युवा निवासी बांसी

सड़क उखड़ रहे डामर की जगह पर भारी वाहन को साइड देने पर दोपहिया वाहन चालक का उखड़ी सड़क से संतुलन बिगड़ जाता है। वह दुर्घटना का शिकार हो जाते है। संबंधित विभाग को इस क्षतिग्रस्त सड़क के बारे में ध्यान होते हुए भी मरम्मत नही करवाई जा रही है। जो आवाजाही के दौरान लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। संबंधित विभाग जल्द सुध लेकर इस मुख्य सड़क को ठीक करवाएं।

– दीपक कुमार सैन, युवा निवासी भण्डेड़ा

मानपुरा से वाया बांसी-भण्डेड़ा-गुजरियाखेड़ा तक बनी सड़क की हालत अधिक बारिश के कारण बहुत खराब हो गई है। जगह-जगह डामर उखड़कर गिट्टी फैली हुई है। इस मार्ग पर गढ्ढे हो रहे है, जिनके कारण आएं दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। अधिकारियों को कही बार जानकारी दे दी, लेकिन हालात जस के तस बने हुए है। जबकि यह मार्ग व्यवसाय की दृष्टिकोण से मुख्य मार्ग है, लोगों की सबसे ज्यादा आवाजाही रहती है। पर हिचकोले भरी डगर से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। संबंधित विभाग जल्द सुध लेकर इस मुख्य मार्ग पर गढ्ढों से राहत दिलाए।

– अवधेश कुमार अग्रवाल, युवा निवासी बांसी

त्योहारी सीजन में 20 फीसदी बढ़ी नौकरियां, लॉजिस्टिक-परिचालन में 70 फीसदी की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा त्योहारी सीजन में अब तक लॉजिस्टिक, परिचालन, ई-कॉमर्स और आतिथ्य क्षेत्र में नौकरियों की संख्या में सालाना आधार पर 20 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान नौकरियों के कुल 2.16 लाख अवसर दर्ज हुए। पेशेवर नेटवर्किंग मंच अपना डॉट को ने कहा, इस साल का त्योहारी सीजन विशेष रूप से उन व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण है, जो उपभोक्ता खर्च में मंदी के बाद फिर से अपनी जगह बनाना चाहते हैं। इसके अलावा, तेजी से सामान पहुंचाने वाले त्वरित (क्विक) कॉमर्स उद्योग के विस्तार ने भी भर्ती में योगदान दिया। उपभोक्ता मांग में 20-25 फीसदी उछाल की उम्मीद = अपना डॉट को के संस्थापक एवं सीईओ निर्मित पारिख ने कहा, यह साल हमारे नियोक्ता भागीदारों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें उपभोक्ता मांग में 20-25 फीसदी वृद्धि की उम्मीद की है। उन्होंने कहा, खुदरा व ई-कॉमर्स क्षेत्र ने 18,000 भर्तियां की हैं। आतिथ्य क्षेत्र में रेस्तरां प्रबंधक, फ्रंट ऑफिस स्टाफ और प्रशासनिक पदों के लिए 14,000 नौकरियां हैं। त्योहारी सीजन में लॉजिस्टिक और परिचालन क्षेत्र में नौकरियां सालाना आधार पर 70 फीसदी बढ़ी हैं।?खुदरा व ई-कॉमर्स में 30 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।?रेस्तरां और आतिथ्य क्षेत्र में नौकरियों के अवसर 25 फीसदी बढ़े हैं। रैपिडो, डेल्हिवरी, ई-कार्ट और शिपरॉकेट जैसी कंपनियों में विभिन्न पदों के लिए 30,000 से अधिक पद खाली हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों का भाव हुआ आधा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर आज आधे भाव में दिखाई दे रहे हैं। इसके पीछे की वजह बोनस शेयर है। शेयर बाजारों में आज यानी 28 अक्टूबर को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। बता दें, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर एक्सचेंज में 1338 रुपये के स्तर पर खुले। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 49.61 प्रतिशत कम है। शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2655.45 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू के लिए 28 अक्टूबर 2024, दिन सोमवार को रिकॉर्ड डेट तय किया था। जोकि आज है। यही वजह है कि कंपनी के शेयर शुक्रवार के मुकाबले आधे हो गए हैं। एक बात समझनी होगी। रिलायंस के पुराने शेयर होल्डर्स की वैल्यू कम नहीं हुई है। अब उन्हें उतने ही पैसे में दोगुना शेयर मिल गए हैं। रिकॉर्ड डेट वह तारीख होती है जब कंपनी अपने रिकॉर्ड बुक को खंगालती है। ऐसे में अगर आप आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर खरीदेंगे तो आपको बोनस इश्यू का फायदा नहीं मिलेगा। क्योंकि दाम आधे हो गए हैं। बता दें, बोनस इश्यू या डिविडेंड आदि का फायदा लेने के लिए रिकॉर्ड डेट से एक कारोबारी दिन शेयर खरीदना होता है। जब कंपनियों को लगता है कि उनके शेयरों की कीमत अधिक हो गई है। जिस वजह से रिटेल निवेशक दांव लगाने से बच रहे हैं

धनतेरस पर नरम रहेगी सोने की बिक्री हल्के आभूषणों की उठने लगी है मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने की वजह से इस बार धनतेरस पर देशभर में सोने की बिक्री नरम रह सकती है इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के महासचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया, शादियों का सीजन होने के बावजूद इस धनतेरस सोने की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 15-18 फीसदी कम रह सकती है। पिछले धनतेरस पर करीब 42 टन और 2022 में 39 टन सोना बिका था।

मेहता ने बताया, पिछले साल धनतेरस की तुलना में इस बार सोने में करीब 31 फीसदी की तेजी देखी गई है। पिछले धनतेरस के दिन सोना 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था, जबकि 23 अक्तूबर, 2024 को कीमत रिकॉर्ड 81,500 रुपये पहुंच गई थी।

मेहता ने बताया, धनतेरस पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसलिए, आसमान छूती कीमतों के बावजूद लोग खरीदारी जरूर करेंगे। लेकिन, शादियों का सीजन होने के बावजूद पिछले धनतेरस के उलट इस बार हल्के आभूषणों की मांग

अधिक है। ऑल इंडिया जेम्स एंड जूलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा, उत्तर भारत में मांग ज्यादा दिख रही है। 14 से 18 कैरेट वाले सोने के आभूषण अधिक बिक रहे हैं।

मूल्य के लिहाज से वृद्धि संभव

सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुवनकर सेन ने कहा, पिछले धनतेरस की तुलना में इस साल मात्रा के लिहाज से बिक्री में कम-से-कम 10-12 फीसदी की गिरावट आ सकती है। हालांकि, मूल्य के हिसाब से बिक्री में करीब 12-15 फीसदी की वृद्धि देखने को मिल सकती है। पीएन गाडगिल के प्रबंध निदेशक सौरभ गाडगिल ने कहा, मात्रा के लिहाज से उद्योग के पिछले साल के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के क्षेत्रीय सीईओ (भारत) सचिन जैन का कहना है कि कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने बावजूद ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि त्योहारों के कारण सोने की खरीदारी में फिर से उछाल आया है। दूसरी तिमाही के दौरान ग्राहकों की अच्छी संख्या को देखते हुए उद्योग त्योहारों में बिक्री को लेक आशान्वित है। त्योहारों के लिए पहले से मिलने वाले ऑर्डर भी अच्छे दिख रहे हैं।

15 दिनों से बढ़ी है इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मांग

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (राई) के सीईओ कुमार राजगोपालन का कहना है कि इस धनतेरस लोग सोने-चांदी के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों क जमकर खरीदारी कर रहे हैं। स्मार्टफोन टीवी और फ्रीज की बिक्री में अधिक तेजी देखी जा रही है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की यह मांग पिछले 15 दिनों से ही बढ़ी है। कुल मिलाकर, इस बा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री में पिछले साल की तुलना में 10-12 फीसदी की बढ़ोतरी उम्मीद है।

वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की अहम भूमिका, यूरो में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 12 वर्षों में सबसे अधिक है। हाल ही में एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। स्विफ्ट रिपोर्ट के डेटा के अनुसार, पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है। इस दौरान यूरो की हिस्सेदारी 939 प्रतिशत से घटकर 921 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि एक दशक में सबसे कम है।

इसलिए, अमेरिकी डॉलर वैश्विक मुद्रा के रूप में अपनी प्रमुखता बनाए रखे हुए है और यह स्थिति स्पष्ट है कि इस मामले में कोई अन्य मुद्रा इसकी तुलना में नहीं आ पा रही है। यूरो की घटती हिस्सेदारी के पीछे विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, जिनमें यूरोपीय संघ की आर्थिक स्थिरता, व्यापार संतुलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं शामिल हो सकती हैं।

टाटा ट्रस्ट के खर्चों में कटौती का प्लान आया सामने, दो बड़ी पोस्ट हो जाएंगी खत्म!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट इस समय बड़े बदलावों से गुजर रहा है। जहां एक तरफ रतन टाटा के देहांत के बाद उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट की कमान मिल गई है। वहीं, दूसरी तरफ टाटा ट्रस्ट अपने मैनेजमेंट औ ऑपरेशनल खर्चों में कटौती करने जा रहा है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार टाटा ट्रस्ट चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर की पोस्ट को खत्म करेगा। इसके अलावा, बाहरी कंसल्टेंसी सर्विसेज को भी घटाने की योजना है। बता दें कि मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार खर्चों में होने वाली इस कटौती की प्रक्रिया की शुरुआत नोएल टाटा के कमान मिलने से पहले ही हो गई थी। टाटा ट्रस्ट के खर्चों में कटौती का फैसला इंटरनल ऑडिट फाइनेंशियल रिव्यू के बाद लिया जा रहा है। इस रिपोर्ट में यह सामने आया था कि

स्टाफ पर होने वाले खर्चों में करीब 180 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। 2022 से पहले डायरेक्ट इंप्लीमेंट प्रोजेक्ट्स जैसे अतिरिक्त खर्चों को जोड़कर कुल खर्च 400 करोड़ रुपये पहुंच गया था।

टाटा ट्रस्ट मैनेजमेंट के रोल को कम करने की प्रक्रिया में है। इस फैसले की वजह टाटा ट्रस्ट को मूल्य हैं। जिनका मानना है कि पैसा अपने स्टाफ की जगह जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। एक व्यक्ति ने कहा, टाटा ट्रस्ट पब्लिक के एक सेवक के तौर पर काम करता है। यह सेवा पब्लिक के लिए है। ना कि अपने खुद के स्टाफ पर पैसा खर्च किया जाए। हमें अधिक खर्च पर बड़े पोस्ट की आवश्यकता नहीं है। बता दें कि टाटा ट्रस्ट के पास अपने सीनियर फाइनेंस एक्सपर्ट्स और इंटरनल टैलेंट हैं। जो अकाउंट्स और आपरेशन्स को अच्छे से मैनेज कर सकते हैं।

टाटा ग्रुप की कमान है टाटा ट्रस्ट के पास

टाटा ग्रुप को होल्ड करने वाली कंपनी टाटा संस में टाटा ट्रस्ट की कुल होल्डिंग 66 प्रतिशत की है। इनमें से भी ज्यादातर हिस्सा 2 ट्रस्ट के पास है। 11 अक्टूबर को नोएल टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन बनाए गए थे। वो पहले से ही सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के सदस्य थे। रतन टाटा की अगुवाई में टाटा ट्रस्ट पर नजर रखने के लिए कार्यकारी समिति बनाई गई थी। इस कमेटी में नोएल टाटा, मेहली मिस्त्री, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह हैं।

आईसीआईसीआई बैंक के नतीजों से गदगद ब्रोकरेज ने बढ़ाया टार्गेट प्राइस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक ने आज के शुरुआती कारोबार में 3.1 प्रतिशत से उछलकर 1294.55 रुपये चढ़ गय शेयर में आई इस तेजी के पीछे आईसीआईसीआई बैंक के सितंबर तिमाही के नतीजे हैं, जिन्होंने एक सपर्ट्स अनुमानों को पार कर लिया विश्लेषकों को स्टॉक के लिए अपने टार्गेट प्राइस को बढ़ाने के लिए मजबूर क दिया। लाइव मिंट के मुताबिक घरे ब्रोकरेज फर्म नुवामा इंस्टीट्यूश इक्विटीज ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक के दूसरी तिमाही के नतीजे धीमी जमा वृद्धि और बिगड़ती एसेट क्वालिटी जैसे सेक्टर-वाइज दबावों से अलग हैं। बारीक, हाई क्वालिटी एसेट्स पर एक मजबूत फोकस बनाए रखते हुए, आईसीआईसीआई ने एक फलेक्सिबल बैलेंस शीट बनाई है जिसने बैंक को वित्त वर्ष 21 के बाद से प्रत्येक तिमाही में लगातार मजबूत परिणाम देने में सक्षम बनाया है। ऐसे में ब्रोकरेज ने स्टॉक पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखी, जिससे इसका टारगेट प्राइस पहले के 1,450

रुपये से बढ़कर 1,470 रुपये प्रति शेयर हो गया।

इसी तरह प्रभुदास लीलाधर ने अपनी बाय रेटिंग को रिपीट किया और व्यापक अनसिक योर्ड लो सेगमेंट में तनाव के बीच आईसीआईसीआई के मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए अपना लक्ष्य मूल्य 1,520 रुपये से बढ़ाकर 1,640 रुपये कर दिया। आईसीआईसीआई बैंक के लिए कुल 40 एनॉलिस्टों में से 36 ने खरीदारी की सलाह दी है। इनमें से 20 ने स्ट्रोंग बाय की सिफारिश की है।

यस बैंक के तिमाही नतीजों का दिखा कमाल, शेयरों में करीब 10 प्रतिशत की उछाल, एक्सपर्ट बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित करने के बाद यस बैंक के शेयरों की कीमतों में आज तेजी देखने को मिली है। इस प्राइवेट बैंक के शेयरों का भाव बीएसई में करीब 10 प्रतिशत चढ़ गया है। बता दें, 26 अक्टूबर को दिन शनिवार को यस बैंक की तरफ से तिमाही नतीजों का ऐलान किया गया था। आइए जानते हैं कि एक्सपर्ट्स यस बैंक को लेकर क्या सलाह दे रहे हैं। बीएसई में सोमवार को यस बैंक के शेयर बढ़त के साथ 20.40 रुपये के लेवल पर खुले। कंपनी के शेयर कुछ ही देर में 9.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 21.29 रुपये (सुबह 9.30 मिनट तक) के लेवल तक पहुंच गए। एक्सपर्ट्स के अनुसार यस बैंक ने सालाना आधार पर मजबूत प्रदर्शन किया है। जिसकी वजह से कंपनी के शेयर डिमांड में हैं। ब्रोकरेज फर्म चॉइस ब्रोकिंग से जुड़े सुमित बगाडिया कहते हैं, यस बैंक के शेयरों को तत्कालिक सपोर्ट 18 रुपये

पर है। निवेशक 16 रुपये का स्टॉप लॉस लगाकर होल्ड कर सकते हैं। अगर शेयर 21 रुपये का ब्रेकआउट करने में सफल रहे तो 24 रुपये से 26 रुपये तक जा सकते हैं। शनिवार को जारी किए नतीजे में यस बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि साला ना आधार पर उनका नेट प्रॉफिट 145 प्रतिशत बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 553 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में यस बैंक को 225.21 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। तिमाही दर तिमाही आधार पर बैंक के नेट प्रॉफिट में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

हारी सीजन में झूमेगा बाजार: 30 फीसदी बढ़ेगी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री, एआई लैस उत्पादों की मांग अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 30 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। धनतेरस वाले सप्ताह में ऑफलाइन माध्यमों से भी बिक्री के जोर पकड़ने की उम्मीद है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि त्योहारी सीजन में प्रीमियम यानी महंगे उत्पादों की मांग अधिक है। लोग ऊर्जा दक्षता, उच्च क्षमता और बड़े आकार वाले टीवी, फ्रीज खरीदने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईओटी प्रौद्योगिकी संचालित उत्पादों में भी रुचि दिखा रहे हैं।

उद्योग निकाय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण निर्माता संघ (सिएमा) ने कहा, सभी श्रेणियों की बिक्री में अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है। गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख कमल नंदी ने कहा, अच्छे मानसून की वजह से त्योहारी बिक्री में तेजी आई है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स मंचों

पर त्योहारी बिक्री के दौरान हमने पिछले साल बढ़ी है। खास बात है कि इस बार छोटे शहरों की तुलना में 70 फीसदी से अधिक की के बाजारों से भी प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ी प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। एलजी है, जो उत्साहजनक है। सोनी इंडिया के प्रबंध इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (घरेलू निदेशक सुनील नय्यर ने कहा, बड़ी स्क्रीन उपकरण) संजय चितकारा ने कहा, वॉशिंग वाले और खासकर 55 इंच व उससे अधिक मशीन और फ्रिज के प्रीमियम उत्पादों की मांग बड़ी स्क्रीन वाले टीवी की मांग में तेजी है।

दिवाली पर कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां दे रही लाखों का डिस्काउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस दिवाली पर कार निर्माता कंपनियां अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहकों को जबर्दस्त छूट दे रही हैं। यह छूट हजारों रुपये में नहीं, बल्कि लाखों रुपये में है। इनमें मारुति सुजुकी, होंडा, एमजी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों से लेकर ऑडी, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्लू जैसी लग्जरी कंपनियों के मॉडल शामिल हैं।

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इन दिनों कार इंडस्ट्री मंदी के दौर से गुजर रही है। कारों की उस स्तर पर नहीं हो रही, जैसी हर साल होती थी। ऐसे में इन कंपनियों के पास कार का काफी स्टॉक है। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक दिवाली के बाद कंपनियां और छूट देंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि डीलर और कंपनियां अपने पुराने स्टॉक को खत्म करना चाहेंगी।

किस पर कितनी छूट?

लग्जरी ऑडी क्यू8 ई-ट्रॉन पर 10 लाख रुपये (एक स-शोरूम कीमत अधिक) और किया ईवी पर 12 लाख रुपये की छूट मिल रही है। वहीं छोटी कारों पर भी भारी डिस्काउंट दिया जा रहा है। सुजुकी जिम्नी पर करीब 2.3 लाख रुपये

की छूट दी जा रही है। इनके अलावा टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस और महिंद्रा 3-डोर थार जैसी कुछ ब्लॉकबस्टर कारों पर भी छूट मिल रही है।

रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के आंकड़ों के अनुसार स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वर्जन के साथ लॉन्च होने के बाद से ही हाइक्रॉस को स्टार का दर्जा मिला हुआ था। हालांकि अब मंदी के कारण इस पर भी भारी छूट मिल रही है। इस कार छूट 1.5 लाख रुपये से शुरू हो रही है।

5-डोर वाले थार के लॉन्च होने के बाद 3-डोर को नुकसान हो रहा है, जिस पर 1.5 लाख रुपये की छूट मिल रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि खरीदार नए वेरिएंट को चुन रहे हैं। इसके अलावा महिंद्रा एक्सयूवी4ओओ इलेक्ट्रिक ट्रक पर लाख रुपये की छूट मिल रही जुलाई में महिंद्रा ने एक्सयूवी7ओओ के कुछ वर्जन पर 2 लाख रुपये की छूट दी थी।

इन कारों पर भी भारी डिस्काउंट

मारुति बलेनो (1.1 लाख रुपये), मारुति ग्रैंड विटारा (1.1-1.4 लाख रुपये), पिछली पीढ़ी की स्कॉर्पियो (1.2 लाख रुपये), टोयोटा फॉर्च्यूनर (2 लाख रुपये), जीप कंपास (2.5 लाख रुपये), एमजी ग्लोस्टर (4.9 लाख रुपये), बीएमडब्ल्यू एक्स5 (7-10 लाख रुपये), ऑडी ए4 (8 लाख रुपये) और मर्सिडीज एस-क्लास (9 लाख रुपये) पर डिस्काउंट दिया जा रहा है।

नहीं मिल रहे खरीदार

कोविड के बाद जब लॉकडाउन खुला था तो उस समय कारों की बिक्री में तेजी आई थी। लेकिन इस कार कार इंडस्ट्री बुरे दौर से गुजर रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि कारों की बिक्री बेहद कम है।

ऐसी स्थिति को देखते हुए ज्यादातर कार निर्माता कंपनियां प्रोडक्शन कम कर रही हैं। साथ ये डीलर डिस्पैच में भी कटौती कर रही हैं क्योंकि इन्वेंट्री का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इन कंपनियों में मारुति, हुंडई, टाटा मोटर्स, होंडा कार्स, वोक्सवैगन, स्कोडा और ऑडी शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अडानी की 6 साल की मेहनत पर फेरा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अडानी की 6 साल की मेहनत पर पानी फेर दिया है। महानदी पावर की नीलामी में जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने केएसके महानदी पावर के लिए 15,985 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई है। शनिवार को समाप्त हुई नीलामी में अडानी पावर को इसने पछाड़ दिया। अडानी की नजर 6 साल से अधिक समय से केएसके महानदी पावर पर थी। दो दिन चली नीलामी प्रक्रिया में छह कंपनियों ने भाग लिया। सूत्रों ने बताया कि अडानी पावर ने 10वें राउंड में 15,885 करोड़ रुपये की अंतिम पेशकश करने के बाद दौड़ से बाहर होने का विकल्प चुना। 11वें राउंड में एकमात्र बोली लगाने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अडानी की बोली से 100 करोड़ रुपये अधिक बोली लगाई। जेएसडब्ल्यू एनर्जी और अडानी पावर ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म कैप्री ग्लोबल भी इस दौड़ में थी, लेकिन 10वें राउंड में 15,850 करोड़ रुपये की अंतिम पेशकश करने के बाद बाहर हो गई। वहीं, नवीन जिंदल की जिंदल पावर, अनिल अग्रवाल की वेदांता और सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड 9वें राउंड तक सक्रिय बोलीदाता थे। एनर्जी (उत्कल) का अधिग्रहण किया पीडब्ल्यूसी ने रिजोल्यूशन प्रोफेशनल , सुमित बिनानी को सपोर्ट किया। आरपी ने वित्तीय लेनदारों से 29,330 करोड़ रुपये के क्लेम को मंजूर किया है। उधारदाताओं के लिए अपफ्रंट रिकवरी लगभग 26,485 करोड़ रुपये या 90 प्रतिशत होगी (जिसमें जेएसडब्ल्यू की 15,985 करोड़ रुपये की पेशकश और 10,500 करोड़ रुपये कैश और निर्विवाद निधि प्राप्तियां शामिल हैं। एनसीएलटी ने अगस्त में आरपी को कंपनी में 6,400 करोड़ रुपये कैश (10,500 करोड़ रुपये में से) डिस्ट्रीब्यूट करने की अनुमति दी थी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के लिए यह पावर सेक्टर में तीसरा प्रमुख अधिग्रहण है। दिसंबर 2022 में इसने 10,048 करोड़ रुपये में 700 मेगावाट की इंड बारथ

वनडे और टी20 टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा

गैरी क्रर्स्टन ने छोड़ा पाकिस्तान का साथ

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी क्रर्स्टन ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा की है। पाकिस्तान के व्हाइट बॉल कोच के तौर पर उनका करार 2 साल का था, जो मात्र 6 महीने में ही खत्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस्तीफे की वजह बोर्ड के साथ उनकी अनबन है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर गैरी क्रर्स्टन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए टीम के चयन और टीम की घोषणा को लेकर असहमत थे। यह मतभेद तब और बढ़ गया जब कथित तौर पर पीसीबी ने गैरी कर्स्टन के टीम के बारे में सुझावों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उन्होंने मुख्य कोच पद से हटने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया, पीसीबी ने यही तरीका तब अपनाया था जब उसकी नई चयन समिति ने टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी और कप्तान शान मसूद को टीम चयन में शामिल होने से मना कर दिया था। चयन समिति का रवैया जेसन गिलेस्पी को अच्छा नहीं लगा था। दूसरी ओर गैरी कर्स्टन ने एक

अलग रास्ता अपनाया है और अपने इस्तीफे की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बाएं हाथ के बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को अप्रैल 2024 में दो साल के अनुबंध पर पाकिस्तान का व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त किया गया था। हालांकि, टी20 विश्व कप अभियान में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन ने उनकी नियुक्ति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। सूत्रों का कहना है कि कर्स्टन की जगह कुछ समय के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अकीब जावेद को कोच बनाया जा सकता है। गैरी कर्स्टन ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ नहीं होंगे और उम्मीद है कि वे कई फ्रेंचाइजी के साथ दुनिया भर में अपनी कोचिंग ड्यूटी प[र] लौट आएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नए वनडे और टी20 कोच बने जेसन गिलेस्पी

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए जेसन गिलेस्पी को मुख्य कोच नियुक्त किया है। गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसे बोर्ड ने सोमवार को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया और आगामी दौरे के लिए सीमित ओवरों की देखरेख जेसन गिलेस्पी को सौंपी। पीसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया, गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा दे दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। कर्स्टन ने केवल छह महीने के कार्यकाल के बाद ही इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्स्टन और पीसीबी के बीच मतभेद थे।

ये मतभेद खासकर टीम चयन और ऑस्ट्रेलिया-जिंबाब्वे के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए टीम का चयन करने को लेकर थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी वर्तमान में पाकिस्तान की रेड-बॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वह अब वनडे और टी20 टीमों का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। मेलबर्न में 4 नवंबर से शुरू होने वाले आगामी दौरे में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच उनका पहला असाइनमैंट होगा। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के साथ अपने सफल प्रदर्शन के बाद अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के मुख्य कोच के रूप में कर्स्टन का कार्यकाल शुरू हुआ था।

सार समाचार

भारतीय तेज गेंदबाज शमी ने क्रिकेट फैंस और बीसीसीआई से मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने प्रशंसकों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी मांगी है क्योंकि बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे

के लिए उनकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि वह अभी तक मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। शमी ने सर्जरी करवाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना 'रिहैबिलिटेशन पूरा किया। लेकिन उनके घुटनों में सूजन के कारण उनकी वापसी की योजना में रूकावट आई। हालांकि शमी ने हाल में घोषणा की थी कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। शमी ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रेनिंग का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि वह जल्द ही वापसी करेंगे।

इस 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, 'मैं प्रयास कर रहा हूं और दिन-प्रतिदिन अपनी गेंदबाजी फिटनेस में सुधार कर रहा हूं। मैच के लिए तैयार होने और घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से भी माफी मांगता हूं। लेकिन बहुत जल्द मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हूं, आप सभी को प्यार।

शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है। उम्मीद है कि वह नवंबर के पहले सप्ताह में कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के अगले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेगा नया कप्तान

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम में अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में नया कप्तान होगा, क्योंकि कई मुख्य खिलाड़ी भारत के साथ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी में जुटे हैं। सीरीज के शेड्यूल में टकराव के कारण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने टी20 टीम के लिए नए नेतृत्व का चुनाव

किया है। मिशेल मार्श की गैरमौजूदगी में जोश इंग्लिस, एडम जम्पा, या मैट शॉर्ट में से किसी को कप्तान बनाया जा सकता है।

इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट खिलाड़ियों, जैसे कि मार्श, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के न होने से टीम के नए खिलाड़ियों के पास नेतृत्व संभालने का मौका है।

ब्रिस्बेन, सिडनी और होबार्ट में होने वाले मैचों के लिए चुनी गई 13 खिलाड़ियों की टीम में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने की कोशिश करेंगे। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड को अस्थाई कप्तान की नियुक्ति को मंजूरी देनी होगी। टीम के कोच आंद्रे बोरोवेक होंगे, जिन्होंने पिछले साल भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में भी इसी तरह की टीम का नेतृत्व किया था। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड और उनके सहायक कोच माइकल डी वेनुटो और डैन वेटोरी पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और फिर टेस्ट मैचों पर ध्यान देंगे। चयन प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, यह खासतौर पर उत्साहजनक है कि ज़ेवियर, स्पेंसर और नाथन राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज ज़ेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और नाथन एलिस भी शामिल होंगे, जो चोट के कारण यूके दौरे में नहीं खेल पाए थे।

अरमान भाटिया और हर्ष मेहता ने पुरुष युगल खिताब जीता, रोमैन-मिचेल को 2-0 से दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में आयोजित पीडब्लूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स के प्रो(ओपन) पुरुष युगल के फाइनल मुकाबले में भारत की अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी को 11-3, 11-2 के अंतर से सीधे गेम में 2-0 के अंतर से मात देकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के अरमान भाटिया तीन वर्ग के फाइनल में पहुंचे थे और वो तीनों में खिताबी जीत हासिल करने में सफल रहे। अरमान भाटिया इंडिया मास्टर्स 2024 के असली स्टार बनकर उभरे। उन्होंने पुरुष एकल और मिक्स्ड डबल्स खिताब भी अपने नाम किए।

भारतीय जोड़ी ने 11-3 से जीता पहले गेम

भारत के अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने पुरुषों के युगल मुकाबले में अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले गेम में जल्दी ही 5-2 की बढ़त बना ली। धीरे-धीरे ये बढ़त 10-2 की हो गई और अंत में थोड़ी मशक्कत के बाद 11-3 से पहला गेम अपने नाम करके मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

दूसरे गेम में 11-2 से जीती बाजी

दूसरे गेम में भी अरमान हर्ष की जोड़ी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने जल्दी ही स्कोर को 6-1 तक पहुंचा दिया। कुछ देर यही स्कोर बना रहा। लेकिन इसके बाद दोनों टीमों ने 1-1 अंक हासिल किए और स्कोर 7-2 हो गया। इसके बाद जल्दी ही भारतीय जोड़ी ने 11-2 से गेम और खिताब दोनों अपने नाम कर लिया।

इमर्जिंग एशिया कप

अफगानिस्तान टीम ने पहला टूर्नामेंट जीता

- **इमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका को हराया, किसी भी फॉर्मेट या ऐज ग्रुप में पहला खिताब**

नईदिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान-ए ने पहली बार इमर्जिंग एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को अल अमीरात स्टेडियम में खेले गए फाइनल में श्रीलंका-ए को 7 विकेट से हराया। अफगानिस्तान क्रिकेट की यह ऐतिहासिक जीत है। टीम का क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट या ऐज ग्रुप टूर्नामेंट में यह पहला खिताब है। अफगानिस्तान-ए की टीम ने साल 2017 और 2019 में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इस बार वह पहली बार फाइनल में पहुंचे और खिताब भी जीत लिया।

मैच में श्रीलंका के कप्तान नुवानिदु फर्नांडो ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले खेलते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन बनाए और अफगानिस्तान की टीम को जीत के लिए 134 रन का टारगेट दिया। जवाब में अफगानिस्तान ने 18.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट के सभी 5 मैचों में अर्धशतक लगाए।

काबुल के एक चौराहे में देर रात तक सेलिब्रेशन चलता रहा। सेदिकुल्लाह की नॉटआउट हाफ सेंचुरी अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल नाबाद 55 रन बनाए। करीम जनत ने 33 रन की पारी खेली। मोहम्मद इशाक ने नाबाद 16 रन बनाए। सहान अराचिगे, दुशान हेमंथा और ईशान मलिंगा को 1-1 विकेट मिला।

सहान ने नाबाद 64 रन बनाए श्रीलंका-ए की शुरुआत काफी खराब रही और इस टीम के 4 विकेट सिर्फ 15 रन के स्कोर पर गिर गए। यहां से सहान अराचिगे ने टीम के लिए अहम पारी खेली। उन्होंने अर्धशतक लगाया। वे 47 बॉल पर 64 रन बनाए। पवन रत्नायके ने 20 रन का योगदान दिया। निमेश विमुक्ति ने भी 23 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान-ए के लिए बिलाल सामी ने 3 जबकि अल्लाह गजनफर ने 2 सफलता हासिल की।

अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट करियर खत्म करने के लिए कौन है जिम्मेदार

टर्बनेटर भज्जी ने कही दिल की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले 2 मैचों में भारतीय टीम को हार मिली और टीम ने सीरीज भी गंवा दी। इस टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरी सामने आई। बेंगलुरु में तेज गेंदबाजों वाली पिच पर टीम महज 46 रन पर ढेर हो गई और पुणे की टर्नर पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के

पास मिचेल सैंटनर का कोई जवाब नहीं था। भारतीय टीम घर में पिछले 12 साल से अजेय थी, लेकिन ये सिलसिला भी टूट गया।

भारत ने इन 12 साल में जो जीत मिली थी वो स्पिनर्स के दम पर ही मिली, लेकिन कीवी टीम के खिलाफ हमारे बल्लेबाज भी स्पिनर के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने खराब टर्न तैयार करने के लिए मैनेजमेंट पर निशाना साधा और कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसे विकेटों पर खेलकर अपना आत्मविश्वास खो दिया है। हरभजन ने अजिंक्य रहाणे का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की पिचों के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। टर्बनेटर भज्जी ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि अगर आप पिछले दशक के ट्रेंड को देखें को हम पिछले एक दशक से ज्यादातर टर्निंग पिचों पर खेल रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक में निराशा के बाद आसान नहीं होगी टॉप में एंट्री, सरकार करेगी खिलाड़ियों की छटनी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक में वह सफलता हासिल नहीं हुई जिसकी उनसे उम्मीद की गई थी। कई दावेदार मेडल हासिल नहीं कर सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सरकार ने अपनी स्कीम में भी बदलाव का फैसला किया है। खिलाड़ियों की हर डिमांड को नहीं माना जाएगा। इसके लिए बनाए गए नियम सख्त किए जाएंगे। भारतीय सरकार की (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के तहत खिलाड़ियों को आर्थिक तौर पर पूरा सहयोग मिलता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस ओलंपिक के बाद अब खिलाड़ियों के लिए इस लिस्ट का हिस्सा बनना आसान नहीं होगा। इस स्कीम में शामिल होने के लिए तय किए गए मानकों का स्तर बढ़ाया जाएगा। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बैठक में इस बारे में चर्चा की गई और फैसला लिया गया कि अब स्कीम में शामिल खिलाड़ियों की संख्या कम की जाएगी। टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक के बीच टॉप्स के तहत 72 करोड़ रुपए खर्च

किए गए हैं। यह पैसा ट्रेनिंग प्लान, जूते, सनग्लास, स्पीड कैमरा, कपड़े, खाना और फूड सप्लीमेंट पर खर्च किया गया था। भारतीय खिलाड़ी पेरिस से सिर्फ छह मेडल लेकर लौटे जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज शामिल थे जबकि उम्मीद की जा रही थी कि इस बार संख्या दहाई का आंकड़ा छू लेगी।

आधी हो जाएगी खिलाड़ियों की संख्या

इस समय 300 ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें इस स्कीम के कारण मदद मिलती है। एमओसी अब इस संख्या को आधा करने वाला है।

फंडिंग की कमी को लेकर बात नहीं हुई। खिलाड़ियों को अब इस स्कीम में सिर्फ तब हिस्सा बनाया जाएगा जब वह मेडल के लिए चैलेंज दे पाएंगे। हालांकि कमेटी में शामिल कई पूर्व खिलाड़ी इससे सहमत नहीं है। उनका मानना है कि ऐसा होने पर कई खिलाड़ी बाहर हो जाएंगे। 2028 ओलंपिक साइकिल के लिए जिन खिलाड़ियों को स्कीम में शामिल किया जाएगा उनकी मेडल के लिए जवाबदेही भी होगी। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक कई खिलाड़ियों ने अब तक अपने पुराने बिल नहीं दिए हैं जिसके कारण अब तक 10 करोड़ रुपए सेटल नहीं हो पाए हैं।

रिटायर हो चुके खिलाड़ियों ने भी अपनी एक्सपेंस शीट नहीं दी है। सूत्र ने कहा, 'कई एथलीट्स ने रिटायर होने के बाद भी एक्सपेंस शीट नहीं दी है। हमें उनकी नियत पर शक नहीं है लेकिन जो पैसा दिया गया है उसे लेकर अकाउंट सेटल होना भी जरूरी है।'

एशियन गेम्स के लिए अलग स्कीम

कुछ समय पहले यह चर्चा भी की गई थी कि एशियन गेम्स के लिए अलग से पोडियम स्कीम तैयार की जाए। इसमें वह खिलाड़ी होंगे जो कि एशियन गेम्स में तो मेडल के दावेदार होंगे लेकिन ओलंपिक के लिए दावेदार नहीं है। पेरिस ओलंपिक के बाद अब एक बार फिर से इस स्कीम पर चर्चा शुरू हो गई है।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप:

चिराग चिकारा ने जीता स्वर्ण, भारतीय पहलवानों ने नौ पदक के साथ समाप्त किया अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। चिराग पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा चुनौती पेश कर रहे हैं और उन्होंने किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को करीबी फ मुकाबले में 4-3 के अंतर से हराया। चिराग पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के बाद दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं जिन्होंने अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। वर्ग के टूर्नामेंट में अपना अभियान पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में समाप्त किया।

चिराग पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं और उन्होंने किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को करीबी फ मुकाबले में 4-3 के अंतर से हराया। चिराग पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के बाद दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं जिन्होंने अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

पहलवान चिराग चिकारा ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। चिराग तीसरे भारतीय जो इस टूर्नामेंट के चैंपियन बनकर उभरे हैं। भारत ने इस तरह कुल नौ पदकों के साथ इस आयु

सहरावत ने 2022 में इस प्रतियोगिता के इसी वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि रीतिका हुडा पिछले साल 76 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में

स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। रवि कुमार दहिया ने 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। चिराग ने फाइनल में पहुंचने से पहले प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में गौकोटो ओजावा को 6-1 से, अंतिम आठ चरण में इयुनुस इवबातीरोव को 12-2 से और सेमीफाइनल में एलन ओरलबेक को 8-0 से हराया। पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत के पदकों में दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इससे वह 82 अंक लेकर टीम तालिका में ईरान (158), जापान (102) और अजरबैजान (100) से पीछे चौथे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल में दो कांस्य पदक जीते, जिससे इस वर्ग में देश के पदकों की संख्या चार हो गई।

विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफटर को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार गए थे। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। सुजीत ने पहले दौर में जॉर्जी एंटोनोव ज़िज़गोव को 10-0 से, प्री-क्वार्टर में तुग्सजर्गल एर्डेनेबैट को 8-4 से और क्वार्टर फाइनल में नारेक पोहोसियन को 6-1 से हराया था। लेकिन सेमीफाइनल में वह मैगोमेद बसिहर खानिएव से 4-8 से और हार गए थे।

चिरियाल में हनुमान जी के मंदिर में नवग्रह व गणेश जी की प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

हैदराबाद
(एजन्सी),

कीसरा मंडल चिरियाल में नवनिर्मित हनुमान मंदिर, गणेश प्रतिमा, नवग्रह प्रतिमा भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मल्काजीगिरी के सांसद ईटला राजेन्द्र , नगाराम के चेयरमैन चंद्रारा रेड्डी, तिरमल रेड्डी, बी श्रीनिवास ,बालराज यादव , श्री निवास रेड्डी ,नागपुसमसेट, मधु यादव, अशोक यादव, नारायण रेड्डी ,राम रेड्डी,इस अवसर राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा माह प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया।

राजस्थानी मित्र मंडल के जोगाराम कुमावत ,जितु जाट, दिलीप सीरवी, कैलाश प्रजापत ,राकेश प्रजापत, रमेश प्रजापत लक्ष्मण सीरवी,रुपाराम सीरवी, मांगीलाल सीरवी , दुर्गाराम सीरवी,किशोर कुमावत, पंकज कुमावत, मदनलाल सीरवी,ओमप्रकाश सीरवी, नरेश माली ,जगदीश सीरवी, जगदीश सोनी, वेनाराम सीरवी, विनोद माली राजूराम सीरवी, दिनेश सीरवी, राकेश देवासी, राकेश सीरवी धन्नाराम सुथार, बलराम जाट,श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार व समस्त राजस्थानी मित्र मंडल उपस्थित थे।

रिश्वत मांगे जाने पर शिकायत दर्ज करने की जनता से अपील

बल्लारी
(सपवदंर),

डिवीजन लोकायुक्त एस.पी. सिद्धाराजू सी. ने कहा कि यदि किसी सरकारी कार्यालय में अधिकारी या कर्मचारी निष्पक्ष काम करने के लिए रिश्वत की रकम मांगता है तो बल्लारी डिवीजन लोकायुक्त एस.पी. कार्यालय में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। वह सोमवार को कर्नाटक लोकायुक्त बल्लारी डिवीजन कार्यालय, बल्लारी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट और किष्किंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से बल्लारी में आयोजित भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता सप्ताह-2024 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक कार्यों के लिए भले ही अधिकारी अनुचित देरी या उत्पीड़न करें, यदि सरकारी अधिकारियों ने सार्वजनिक पद का उपयोग करके अवैध संपत्ति अर्जित की है या पद का दुरुपयोग करके व्यवसाय करते हुए पाए जाते हैं, अवैध आदेश या काम चल रहा है, तो वे कर्नाटक लोकायुक्त बल्लारी कार्यालय में मोबाइल 9364062511, 9364062630 पर संपर्क कर सकते हैं। कर्नाटक लोकायुक्त बल्लारी डिवीजन के डीएसपी आर. वसंतकुमार ने शपथ दिलाई।

इसी अवसर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता पर एक पोस्टर भी जारी किया गया। इस अवसर पर बल्लारी डिवीजन के लोकायुक्त पुलिस निरीक्षक मोहम्मद रफी, संगमेश, बीआईटीएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. यडवल्ली बसवराज, डीन (इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी) डॉ. वी. सी. पाटिल, चैतन्य रेड्डी, छात्र और अन्य उपस्थित थे।

आदिलीला फाउंडेशन व फॉरेन करॉस्पोण्डेंस क्लब का दीपावली महोत्सव

नई दिल्ली
(एजन्सी),

आदिलीला फाउंडेशन और फॉरेन करॉस्पोण्डेंस क्लब ने संयुक्त रूप से नई दिल्ली में फॉरेन करॉस्पोण्डेंस क्लब में दिवाली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया राष्ट्रीय अध्यक्ष आदिलीला फाउंडेशन डॉ एस आदिनारायण और वेंकट नारायण, अध्यक्ष, एफसीसी और अन्य ने दीप जला कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। नृत्य, कच्ची पुडी, भरतनाट्यम,

संगीत जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

रमेश अग्रवाल, एमडी, अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स, नवीन जिंदल, एमडी, एमएनसी, प्रो डी.पी. मिश्रा, प्रकाश नंदा , सेक्रेटरी एफसीसी, संजीव अरोड़ा उपाध्यक्ष, आदिलीला फाउंडेशन. वी. रमानी मान मुख्य प्रबंधक, बैंक पीवीआर.मूर्ति, सीमेंट के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार, कई महत्वपूर्ण लोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विनोद बिधूड़ी सीनियर एडवोकेट, यति, सीनियर एडवोकेट, सामाजिक शैक्षिक व्यक्ति, डॉ तपस पांडा, अध्यक्ष भुवनेश्वर , ई.सी. एफसीसी के सदस्य, सचिन पटेल, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता, संजीव तिवारी, अध्यक्ष, ग्राम उदय फाउंडेशन, विजय प्रसाद, पूर्व अधिकारी, सीआईडीएफ और अन्य शामिल हुए, और दिवाली उत्सव की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

हैदराबाद (एजन्सी), साहित्य कट्टा हैदराबाद के साहित्यवाद 2024 दिवाली अंक का विमोचन उत्साह के साथ संपन्न हुआ। प्रकाशक द्वारा यह दिवाली अंक प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी होने की बात कही। उन्होने विश्वास व्यक्त किया की, यह अंक सभी को पसंद आएगा तथा अंक अधिक से अधिक पाठकों तक पहुंचेगा।

हैदराबाद (एजन्सी), डॉक्टर सागी सत्यनारायण एक बहुत प्रतिभाशाली डॉक्टर हैं। चार बार गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज। एक अनुभवी व्यक्ति जिसने उत्कृष्टता में ऑस्कर जीता। 28 जनवरी 2016 को पहला गिनीज रिकॉर्ड। तेलंगाना सरकार द्वारा दिया गया नंदी पुरस्कार जिता है।

हैदराबाद (एजन्सी), महाराष्ट्र चुनाव के तहत आज वर्था जिले के भाजपा विधायक उम्मीदवार पंकज भोयर की नामांकन रैली में आदिलाबाद विधायक पायल शंकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

डॉ.पी किशन बने तेलंगाना प्रदेश आईएमए अध्यक्ष

करीमनगर
(एजन्सी),

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के तेलंगाना चैप्टर के चुनाव में करीमनगर के डॉक्टरों ने जीत हासिल की। रविवार को हैदराबाद के कोटि स्थित आईएमए हॉल में आयोजित किया गया।

प्रख्यात मनोवैज्ञानिक डॉ. पी किशन को वर्ष 2024-25 के लिए तेलंगाना प्रदेश आईएमए का अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी डॉ. कविता रेड्डी के खिलाफ 59 वोटों की बढ़त हासिल करके प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया है। डॉ.एमएलएन रेड्डी ने डॉ.रमना के खिलाफ 41 की

बढ़त हासिल करके प्रदेश आईएमए के उपाध्यक्ष के रूप में जीत हासिल की है और डॉ. पोलासा राम किरण ने प्रदेश आईएमए संयुक्त सचिव के रूप में डॉ. रामुलु के खिलाफ 113 वोटों की बढ़त हासिल की। डॉ. राजेश्वर को केंद्रीय परिषद सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया और डॉ. अलीम को राज्य परिषद सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया।

अवसर पर आईएमए करीमनगर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ अनामल्ला नरेश, सचिव डॉ सिरिपुरम नवीन कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ चल्लूरी विजय कुमार और अन्य डॉक्टरों ने करीमनगर जिले के डॉक्टरों को बधाई दी है, जो राज्य आईएमए चैप्टर के लिए चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि करीमनगर के डॉक्टरों ने राज्य आईएमए के चुनावों में जीत हासिल की।

राजमाता साहित्यिक समूह की पूर्व दिवाली गोष्ठी

हैदराबाद
(एजन्सी),

राजमाता साहित्यिक समूह, हैदराबाद की पूर्व दिवाली गोष्ठी राजमाता साहित्यिक समूह के संरक्षक एवं संस्थापक प्रकाश बुलाकी के निवास स्थान, खुराना विशाल मैनर्स, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई।

अध्यक्ष सुनीता लुल्ला ने सभी आए हुए कवियों का गरम जोशी से स्वागत किया। पारम्परिक भारतीय पोशाकों से सुसज्जित, सजे सभी कवि गणों ने पूर्व दिवाली उत्सव में एक जोश भर दिया। पारम्परिक भारतीय पोशाक

के विजेता कपल गीता अग्रवाल एवं के पी अग्रवाल रहे । महिलाओं में पारम्परिक भारतीय पोशाक में वर्षा शर्मा अव्वल रही । हिंदी भाषा पर बालक हरि ओम द्वारा सुनाई गई कविता सभी के द्वारा बहुत पसंद की गई, बालक हरिओम को भी पुरस्कृत किया गया । सभी कवियों ने अपनी रचनाओं से पूर्व दिवाली शाम को एक यादगार शाम बना दिया । पुरस्कार प्रायोजक एवं मेजबानी प्रकाश बुलाकी जी की रही । कार्यक्रम में प्रकाश बुलाकी, सुनीता लुल्ला, सत्य प्रसन्न, डॉ. ऋता शुक्ला, के पी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, पूजा महेश, वर्षा शर्मा, उमेश यादव, बालक हरिओम आदि उपस्थित थे

मानु मॉडल स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय विज्ञान मेले में पुरस्कार जीता

हैदराबाद
(एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानु) मॉडल स्कूल, हैदराबाद के छात्रों ने 24 अक्टूबर को चेन्नई के पूनमल्ले स्थित सना मॉडल स्कूल में मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों और तमिलनाडु संघों (OMEIAT) द्वारा आयोजित 17वें राष्ट्रीय विज्ञान मेले में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं - सादिया बेगम और मिर्ज़ा ज़ोया बेगम ने "चावल और गेहूं के बीजों में बीज अंकुरण और अंकुर मापदंडों पर यूवी-सी विकिरण का

प्रभाव" विषय पर जीवन विज्ञान श्रेणी में अपनी परियोजना प्रस्तुत की। यह परियोजना श्री वसीम उद्दीन, एमडी, पीजीटी-बायोटेक्नोलॉजी की देखरेख में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि डॉ. अब्दुल वसी मोहम्मद, वैज्ञानिक और निदेशक एसयूईएमपी चैरिटेबल ट्रस्ट, हैदराबाद और डॉ. सैयद रिज़वान, वैज्ञानिक और निदेशक सुआरिज़ क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया। स्कूल के शिक्षक वसीम उद्दीन एमडी, पीजीटी-बायोटेक्नोलॉजी ने छात्र का पर्यवेक्षण किया। प्रधानाचार्य डॉ. कफिल अहमद ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और बधाई दी। देश के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों ने प्राथमिक, मध्य, जूनियर और वरिष्ठ श्रेणियों के तहत अपने शोध आधारित विज्ञान प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुत किए।

स्नातक मुद्दों का समाधान होगा : सुगुनाकर राव

करीमनगर
(एजन्सी),

विधान परिषद में स्नातकों के प्रतिनिधित्व के लिए एमएलसी सीटें आवंटित की जाती हैं लेकिन निर्वाचित एमएलसी स्नातक मुद्दों का समाधान करने के बजाय अपने हित के बारे में सोच रहे हैं। भाजपा वरिष्ठ नेता एवं भारतीय किसान मोर्चा पूर्व राष्ट्रीय सचिव पोलसानी सुगुनाकर राव ने सोमवार को करीमनगर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्नातकों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है।

सुगुनाकर राव ने कहा कि रोजगार के बिना, युवा महिलाएं और युवाएं बेरोजगार हैं और जो लोग पेशेवर जैसे कई स्नातकों के मुद्दों पर चुने जाते हैं, वे विधानपरिषदों में भी नहीं बोल

पाते। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें मौका मिला तो वे स्नातकों की समस्याओं का लगातार समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के दस महीने बाद भी कांग्रेस पार्टी ने किसानों से किये एक भी वादे पर अमल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि किसान की कटी हुई फसल नहीं खरीदी जा रही है जिसके कारण किसान गलत शर्तों पर निजी व्यापारियों को बेच रहे हैं, जिससे प्रत्येक किसान को प्रति क्विंटल 500 रुपये और प्रति एकड़ 10 से 15 हजार रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के ऋण माफ करने में विफल रही है और किसान आश्वासन, खरीद सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने के सभी मामलों में विफल रही है जिसके कारण कांग्रेस पार्टी को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। अवसर पर दुर्गम मारुति, देवेन्द्र राव, हरिकुमार गौड़, ब्रह्मम, आनंद, किशोर, तिरूपति, जीतेन्द्र, नरहरि, सत्यनारायण, पब्बा तिरूपति उपस्थित थे।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का दिवाली मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद
(एजन्सी)

,ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद का दिवाली मिलन समारोह परशुराम मंदिर जगतगिर गुट्टा में धूम धाम पूर्वक संपन्न हुआ। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दीपावली के उपलक्ष्य में अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए समाज ने यह आयोजन किया जिसमें शहरद्वय के ब्रह्मर्षियों ने सपरिवार हर्ष और उल्लास के साथ भाग लिया।

मुनींद्र एवं संगीता सिन्हा की विशेष उपस्थिति में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र , पूर्व अध्यक्ष सुजीत ठाकुर, महिला अध्यक्ष उषा शर्मा, गोविंद राय एवं अन्य

कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित करके किया। अध्यक्ष के साथ महासचिव, सुधा राय एवं डॉ आशा मिश्रा ने सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत किया। सभी सदस्यों ने एक दूसरे से गले मिलकर दिवाली की शुभकामना दी और सबने फुलझड़ी और पटाखे के साथ त्योहार के आगमन की ख़ुशी ज़ाहिर की। तत्पश्चात् नीरू शर्मा, पूजा मिश्रा एवं प्रियंका सिंह के संचालन एवं नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के लिए दीया पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता रखी गई और बड़ों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। अवसर पर पति पत्नी की जोड़ियों ने सुमधुर गीतों का गायन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में एवं खेलों के विजेता नीतीश कुमार, नीलू, गोविंद जी राय, तिरूपति राय एवं प्रियंका सिंह रहीं तथा बच्चों में निहारिका एवं सुमित ने पुरस्कार जीते। कार्यक्रम के आयोजन में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कुमार, अमर सिंह, मोहन सिंह, प्रेमशंकर सिंह, पंकज कुमार (सी ए), सुजीत ठाकुर, विनोद राय एवं समस्त कार्यकारिणी का विशेष योगदान रहा। एस एन शर्मा, आर एस शर्मा, रागिनी सिन्हा, अरुणोदय सिन्हा, राकेश मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, रंजीत कुमार, बीना कुमारी, दीपा कुमारी, सतीश सिंह, विधात्री सिंह, नीतू कुमारी, सुधीर साई, रंभा साई, श्रेया साई, बाला साई, गीतू शर्मा, मीतू शर्मा, गीतू शर्मा, चंचला सिंह, मधु सिंह, सीमा सिंह, रिंकु देवी, सरोज सिंह, रूपम सिंह, सोनी भूमी , ख़ुशबू, अनुराग शर्मा आदि ब्रह्मर्षियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net